अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 104 लखनऊ, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

बिहार के अगले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे : चिराग पासवान

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (लोजपा आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा चुनाव (विस) में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत का दावा किया है। उन्होंने यह भी साफ किया कि नीतीश कुमार ही बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे। राजधानी पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जब नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है, तब कोई दूसरा व्यक्ति मुख्यमंत्री कैसे हो सकता है? पत्रकारों के पूछे गए सवालों पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बातों का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि अमित शाह ने सिर्फ एक प्रक्रिया बताई थी, कहा था कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के रूप में चुना जाएगा। यहां पांच-पांच दल हैं, हर दल के विधायक नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री चुनने का काम करेंगे। बिहार में डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है।

आईआईटी कानपुर ने दिल्ली में कराई क्लाउड सीडिंग, कृत्रिम बारिश से मिलेगी प्रदूषण से राहत

कानपुर। दीपावली के बाद से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली वायु प्रदूषण की मार झेल रही है। ऐसे में कानपुर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ने मंगलवार को विशेष अनुसंधान विमान ने दो बार एनसीआर क्षेत्र में रासायनिक योगिकों का छिड़काव कर क्लाउड सीडिंग कराया। इससे अब कृत्रिम बारिश की संभावना बन गई है और लोगों को प्रदूषण से राहत मिल सकेगी। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो मणींद्र अग्रवाल ने मंगलवार शाम को बताया कि इस मिशन में विमान से विशेष रासायनिक तत्वों का छिड़काव किया गया, जिससे बादलों में नमी बढ़ेगी और कृत्रिम वर्षा संभव हो सकेगी।

गुरु परंपरा ने भारत को दिया त्याग और बलिदान का संदेश : योगी

- मुख्यमंत्री ने किया चरण सुहावे गुरु चरण (जोड़े साहिब) यात्रा का स्वागत
- केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी इस कार्यक्रम में रहे मौजूद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सिख समुदाय की आस्था का प्रतीक 'चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा' के पवित्र जोड़ा साहिब का लखनऊ में भव्य स्वागत हुआ। यह यात्रा सिख समुदाय के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी और माता साहिब कौर के पवित्र जोड़ा साहिब से जुड़ी है, जो सिख आस्था का अत्यंत पवित्र प्रतीक मानी जाती है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे।

लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारे में मंगलवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवाणी सुनी और यात्रा सदस्यों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। गुरुद्वारा कमेटी ने मुख्यमंत्री योगी को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी परंपरा में यह बताया गया है, 'जिथे जाए बहे मेरा सतगुरु, सो थान सुहावा राम राजे।' अर्थात जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान रामराज्य की तरह पवित्र और पुण्यभूमि बन जाता है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा हमें उस गौरवशाली गुरु परंपरा से जोड़ती है, जिसने भारत की संस्कृति, साहस और बलिदान की भावना को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री योगी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर शुरू हुई है। यह केवल श्रद्धा की यात्रा नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान और राष्ट्र समर्पण की प्रेरणा देने वाली यात्रा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं का भारत की सनातन परंपरा में योगदान अविस्मरणीय है।

'माई भारत' का पंजीकरण 2 करोड़ के पार

नई दिल्ली। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की अपनी प्रमुख युवा सहभागिता पहल 'माई भारत' (मेरा युवा भारत) ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिसके तहत इस प्लेटफ़ॉर्म पर पंजीकरण की संख्या 2 करोड़ के पार हो गई है। यह उपलब्धि विकसित भारत अ 2047 की दिशा में राष्ट्र की सामूहिक यात्रा में भारत के युवाओं के बढ़ते उत्साह और भागीदारी को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को राष्ट्रीय एकता दिवस पर लॉन्च किया गया 'माई भारत' तेज़ी से भारत के सबसे बड़े युवा-केंद्रित डिजिटल इकोसिस्टम में से एक बन गया है। 15-29 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए एक प्रौद्योगिकी-संचालित, वन-स्टॉप समाधान के रूप में डिज़ाइन किया गया यह प्लेटफ़ॉर्म ग्रामीण और शहरी भारत, दोनों, के युवा नागरिकों को जोड़ता है और उन्हें राष्ट्र निर्माण में विविध अवसरों के माध्यम से सीखने, सेवा करने और नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाता है। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, ''2 करोड़ पंजीकरण का आंकड़ा पार करना देश के लिए गौरव का क्षण है।

रेल मंत्री ने चक्रवात 'मोंथा' के मद्देनजर रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज आसन्न चक्रवात 'मोंथा' के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस समीक्षा बैठक में पूर्वी तट के किनारे रेलवे नेटवर्क की तैयारियों का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने यात्री सुरक्षा, रेल विनियमन, बहाली योजना और स्थानीय प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियों के साथ समन्वय हेतु किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। उन्होंने रेलवे अधिकारियों को चक्रवात के प्रभाव, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में पूर्वी तट के किनारे, की आशंका में सभी आवश्यक सावधानियां बरतने का निर्देश दिया। निर्बाध संचार और आपदा प्रतिक्रिया टीमों की समय पर तैनाती की आवश्यकता पर बल देते हुए केंद्रीय मंत्री ने सभी रेलवे जोनों को हाई अलर्ट पर रहने और चक्रवात के बाद रेल सेवाओं की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

रेल मंत्रालय के अनुसार भारतीय रेलवे ने आसन्न चक्रवात 'मोंथा' की वास्तविक समय में समन्वय और प्रतिक्रिया के लिए मंडलीय 'वार रूम' सक्रिय कर दिए हैं। आवश्यक सामग्री, मशीनरी और मानव संसाधन को तैयार रखा गया है विशेष रूप से विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और गुंटूर मंडलो में तैयार रखा गया है।

यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए रेल परिचालन की निरंतर निगरानी की जा रही है। पूर्व तटीय रेलवे, दक्षिण तटीय रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे जोनों को आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए संसाधन जुटाने और सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरतने का निर्देश दिया गया है।

केंद्र ने दी आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी। यह आयोग अपने गठन की तिथि से 18 महीनों के भीतर अपनी सिफारिशें देगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने यहां राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि 8वां वेतन आयोग एक अस्थायी निकाय होगा। आयोग में एक अध्यक्ष, एक सदस्य (अंशकालिक) और एक सदस्य-सचिव शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि यह आयोग अपने गठन की तिथि से 18 महीनों के भीतर अपनी सिफारिशें देगा। सरकार ने जनवरी में केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और अन्य लाभों में बदलावों की जांच और सिफ़ारिश करने के लिए 8वें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी।वेतन आयोगों का गठन समय-समय पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों के पारिश्रमिक ढांचे, सेवानिवृत्ति लाभों और अन्य सेवा शर्तों के विभिन्न मुद्दों पर विचार करने और उनमें आवश्यक बदलावों पर सिफारिशें करने के लिए किया जाता है। आमतौर पर वेतन आयोग की सिफारिशें हर 10 साल के अंतराल पर लागू की जाती हैं। इसके अनुसार 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें अगले साल से अपेक्षित हैं।

अखिलेश यादव के अधिकार में ही रहेगी मुरादाबाद की कोठी

प्रयागराज उच्च न्यायालय ने रद्द की मुरादाबाद जिला प्रशासन की नोटिस !

दिनेश दुबे

प्रयागराज। यूपी के जिला मुरादाबाद में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव के नाम आवंटित कोठी फिलहाल सपा के पास ही रहेगी। प्रयागराज उच्च न्यायालय ने इस आशय का आदेश जारी करते हुए डी एम मुरादाबाद अनुज सिंह द्वारा तीन माह पहले जारी की गई नोटिस को रद्द कर दिया है । मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कोठी खाली कराने के मुरादाबाद जिला प्रशासन के आदेश पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रशासन की कार्रवाई को वैध नहीं कहा जा सकता है। इसलिए नोटिस को रद्द किया जाता है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता शशि नंदन, विनीत विक्रम और अधिवक्ता कुणाल शाह की दलीलों को सुनकर दिया। डीएम मुरादाबाद ने सपा जिलाध्यक्ष को कार्यालय खाली करने के लिए नोटिस दिया था, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। गौरतलब हो कि करीब तीन महीने पहले डी एम मुरादाबाद अनुज सिंह ने मुलायम सिंह के नाम पर 31 साल से अलॉट कोठी का आवंटन रद्द कर दिया था। राज्य सरकार ने यह आवंटन साल 1994 में सपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को 250 रुपये प्रतिमाह किराए की दर पर किया था। करीब तीन माह पहले जिला प्रशासन मुरादाबाद ने 30 दिन के अंदर कोठी को खाली करने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस के जारी होने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा था कि अगर अधिकारी बुलडोजर लेकर कोठी के पास पहुंचे तो सपा के स्मारक भी महफूज नहीं रहेंगे ! इसके साथ ही सपा जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने 19 सितंबर को प्रयागराज हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी । 25 सितंबर को हाईकोर्ट में पहली बार सुनवाई होनी थी, लेकिन टल गई। इसके बाद 9 अक्टूबर को सुनवाई हुई, जिसमें हाईकोर्ट ने कोठी खाली कराने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी।मंगलवार 28 अक्टूबर को फिर जस्टिस अरिंदम सिन्हा और जस्टिस सत्यवीर सिंह की डबल बेंच ने मामले की सुनवाई की। प्रशासन की ओर से दलील दी गई कि कोठी का इस्तेमाल राजनीतिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। वहीं सपा की ओर से दलील पेश करते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि सब कुछ कानूनी रूप से ही किया जा रहा है, इसलिए यह कार्रवाई द्वेषपूर्ण है। बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है।

उत्तर प्रदेश में 46 आईएएस अधिकारियों का तबादला, कई जिलों के डीएम बदले

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने मंगलवार को 46 आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण कर दिया है। इसमें कई जिलों के मंडलायुक्त, जिलाधिकारी शामिल हैं।

तबादले क्रम में विंध्याचल के मंडलायुक्त बाल कृष्ण त्रिपाठी को सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग में नवीन तैनाती दी गई है। राजेश प्रकाश को मत्स्य विभाग से हटाकर मंडलायुक्त विंध्याचल बनाया गया है। इसी तरह राज्य मानवाधिकार आयोग की सचिव, धनलक्ष्मी के. को महानिदेशक मत्स्य विभाग, सार्वजनिक उद्यम का महानिदेशक, संजय कुमार को वर्तमान पद के साथ राज्य मानवाधिकार आयोग के सचिव का अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डा. रूपेश कुमार को प्रबंध निदेशक राज्य विद्युत उत्पादन निगम व प्रबंध निदेशक उप्र पावर ट्रांस मिशन कारपोरेशन लिमिटेड के पद से हटाकर सहारनपुर का नया मंडलायुक्त बनाया गया है।

वहीं, सहारनपुर के मंडलायुक्त अटल कुमार राय को सचिव गृह विभाग, भानू चन्द्र गोस्वामी को सचिव, राजस्व विभाग एवं राहत आयुक्त तथा चकबंदी आयुक्त से हटाकर मेरठ मंडलायुक्त का कार्यभार सौंपा गया है। डा. हृषिकेश भास्कर याशोद को मंडलायुक्त मेरठ के पद से मुक्त करते हुए सचिव, राजस्व विभाग एवं राहत आयुक्त तथा चकबंदी आयुक्त की जिम्मेदारी मिली है।

मयूर महेश्वरी को मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण, प्रभारी एनआरआई सेल तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी लीडा से प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम, प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड, विजय किरन आनंद को वर्तमान पद के साथ मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपी, प्रभारी एनआरआई सेल एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी लीडा के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

हाथरस जिले के जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय को विशेष सचिव, राज्यकर विभाग, अतुल वत्स को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के पद से हटाकर जिलाधिकारी हाथरस बनाया गया है। अनमदीप डुली को जिलाधिकारी ललितपुर से अपर आयुक्त मनरेगा यूपी और हिमांशु नगपाल को वाराणसी का नगर आयुक्त बनाया है। इससे पहले वे वाराणसी में मुख्य विकास अधिकारी का पदभार संभाल रहे थे। प्रखर कुमार को सिंह को मुख्य विकास अधिकारी अलीगढ़ एवं संभागीय खाद्य नियंत्रक, अलीगढ़ से मुख्य विकास अधिकारी वाराणसी, योगेंद्र कुमार उपनिदेशक, मंडी परिषद लखनऊ को मुख्य विकास अधिकारी अलीगढ़ एवं संभागीय खाद्य नियंत्रक अलीगढ़ भेजा है।

इसी तरह सीतापुर जिले के जिलाधिकारी अभिषेक आंनद को विशेष सचिव, आबकारी विभाग, राजागणपति आर. को जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर से जिलाधिकारी सीतापुर, कृत्तिका ज्योत्सना को विशेष सचिव, राज्यकर विभाग से हटाकर बस्ती जिलाधिकारी बनाया है। रवीश गुप्ता को जिलाधिकारी बस्ती से प्रबंध निदेशक, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ, ईशा दुहन को प्रबंध निदेशक, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ से प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल्स संघ लिमिटेड, कुमार विनीत प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल्स संघ लिमिटेड से विशेष सचिव, युवा कल्याण एवं खेल विभाग यूपी, शिवशरणप्पा जीएन को जिलाधिकारी चित्रकूट से हटाकर जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर भेजा गया है।

पुलकित गर्ग को वाराणसी विकास प्रधिकारण के उपाध्यक्ष से हटाकर जिलाधिकारी चित्रकूट, पूर्ण वोहरा को मुख्य विकास अधिकारी बिजनौर से उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण, रण विजय सिंह को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) गाजियाबाद से मुख्य विकास अधिकारी बिजनौर, अक्षत वर्मा को नगर आयुक्त वारणसी से विशेष सचिव नियोजन विभाग, ऋषि राज नगर आयुक्त एवं उपाध्यक्ष, फिरोजाबाद शिकोहाबाद विकास प्रधिकरण के पद से मुक्त करते हुए उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्रधिकरण बनाया गया है।

इनके अलावा गुंजन द्विवेदी को मुख्य विकास अधिकारी कुशीनगर से फिरोजाबाद शिकोहाबाद विकास प्रधिकरण का उपाध्यक्ष, वंदिता श्रीवास्तव को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) वाराणसी से मुख्य विकास अधिकारी कुशीनगर, मधुसूदन हुल्गी को जिलाधिकारी के पद से हटाते हुए उन्हें मुख्यमंत्री का विशेष सचिव बनाया है। प्रयागराज विकास प्रधिकरण के उपाध्यक्ष अमित पाल को जिलाधिकारी कौशाम्बी, नंद किशोर कलाल को मुख्य विकास अधिकारी रामपुर से उपाध्यक्ष विकास प्रधिकरण गाजियाबाद, महेंद्र कुमार सिंह को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अयोध्या से मुख्य विकास अधिकारी रामपुर, पवन अग्रवाल को जिलाधिकारी बलरामपुर से विशेष सचिव गृह विभाग व मुख्यमंत्री के विशेष सचिव विपिन कुमार जैन को जिलाधिकारी बलरामपुर बनाया गया है। आकांक्षा राणा को विशेष कार्याधिकारी कुंभ मेला प्रधिकारण से नगर आयुक्त झांसी के पद नयी नियुक्त दी है।

इसके साथ ही नगर आयुक्त झांसी के पद पर तैनात सत्य प्रकाश को जिलाधिकारी ललितपुर, विशेष सचिव आबकारी विभाग देवेंद्र कुमार सिंह कुशवाहा को विशेष सचिव रेशम विभाग, अश्विनी पाण्डेय को अयोध्या विकास प्राधिकरण से जिलाधिकारी श्रावस्ती, अजय कुमार द्विवेदी को रामपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। इससे पहले रामपुर के डीएम जोगिंदर सिंह को विशेष सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, अनुराज जैन को मुख्य विकास अधिकारी महाराजगंज से उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण, गुलाब चंद को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मुरादाबाद से मुख्य विकास अधिकारी महाराजगंज, अमेठी जिले के मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल को मुख्य कार्यपालक अधिकारी ब्रज तीर्थ विकास परिषद और सचिन कुमार सिंह को सयुंक्त निदेशक मंडी परिषद लखनऊ से हटाकर अमेठी जिले का नया मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है।

चंदौली में तेज रफ्तार ट्रक ने दो महिलाओं समेत मासूम को रौंदा, तीनों की मौत

चंदौली/वाराणसी। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में मंगलवार भोर में छठ पूजा के लिए पैदल जा रहीं दो महिलाओं सहित एक मासूम बच्चे को तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने रौंद दिया। हादसे में तीनों की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक वाहन सहित भाग निकला। घटना की जानकारी पाते ही क्षेत्रीय पुलिस और अफसर मौके पर पहुंच गए। शिनाख्त आदि की कार्यवाही के बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हृदय विदारक घटना को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना जताई और पीड़ित परिवार की तत्काल मदद के निर्देश दिए हैं।

सड़कों के किनारे विकसित की गयी हैं 670 जन सुविधाएँ : गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जन-केंद्रित बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि इसे ध्यान में रखते हुए देश भर में सड़कों के किनारे 670 सुविधाएं विकसित की गयी हैं।

श्री गडकरी ने मंगलवार को भारतीय उद्योग परिसंघ(सीआईआई) के 'स्मार्ट सड़कों का भविष्य -सुरक्षा, स्थिरता और अनुकूलन'विषय पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा है कि देश में बुनियादी ढाँचा जन-केंद्रित होना चाहिए, जिससे नागरिकों के लिए आराम हो और सबके लिए सुविधा सुनिश्चित की जा सके। उनका कहना था कि इसे ध्यान में रखते हुए अब तक देश भर में सड़क के किनारे 670 सुविधाएँ विकसित की गयी हैं।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय का वर्तमान वार्षिक राजस्व 55,000 करोड़ रुपये से अगले दो वर्षों के भीतर बढ़कर 1.4 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है।

भारत-रूस मिलकर बनाएंगे नागरिक यात्री विमान एसजे-100, एचएएल से समझौता

- भारत में पूरी तरह से निर्मित विमान छोटी दूरी की कनेक्टिविटी के लिए बनेंगे गेमचेंजर

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) ने नागरिक यात्री विमान एसजे-100 का उत्पादन करने के लिए समझौता किया है। भारत में बनने वाला यह विमान छोटी दूरी की कनेक्टिविटी के लिए बड़ा क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा। इस समझौते के तहत एचएएल के पास घरेलू ग्राहकों के लिए एसजे-100 विमान बनाने का अधिकार होगा।

एचएएल के मुताबिक एसजे-100 एक दोहरे इंजन वाला संकीर्ण शरीर वाला विमान है। अब तक 200 से ज्यादा विमानों का उत्पादन किया जा चुका है और 16 से ज्यादा वाणिज्यिक एयरलाइन ऑपरेटर इसका इनका संचालन कर रहे हैं। एचएएल और रूसी कंपनी ने 27 अक्टूबर को मॉस्को में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एचएएल की ओर से प्रभात रंजन और यूएसी की ओर से ओलेग बोगोमोलोव ने एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील और यूएसी के महानिदेशक वादिम बडेखा की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। एचएएल के अध्यक्ष ने कहा कि एचएएल और यूएसी के बीच यह सहयोग दोनों संगठनों के बीच आपसी विश्वास का परिणाम है।

देश ने सीमित संसाधनों में बड़ी उपलब्धियां प्राप्त कीं: अशोक

- पूर्व राज्यसभा सांसद डा. अशोक बाजपेई ने किया स्वर्गीय लीलावती देवी की छठवीं पुण्यतिथि समारोह का शुभारंभ
- माता-पिता की आरती के साथ सम्पन्न समारोह में वैज्ञानिकों, कलाकारों और समाजसेवियों का किया गया सम्मान
- अखिल भारतीय विज्ञान दल और नर्वदेश्वर ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के संयुक्त तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ हुआ कार्यक्रम

अभयानंद शुक्ल
समन्वय सम्पादक

लखनऊ। पूर्व सांसद डॉ.अशोक बाजपेई ने कहा है कि भारत ने सदैव सीमित संसाधनों में बड़ी व अद्भुत वैज्ञानिक उपलब्धियां हासिल की हैं। वे अखिल भारतीय विज्ञान दल की संस्थापक स्वर्गीय लीलावती देवी की छठवीं पुण्यतिथि पर आयोजित सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर कई वैज्ञानिकों, कलाकारों और समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया।

विशेष अतिथि के रूप में मौजूद बीकेटी क्षेत्र के विधायक योगेश शुक्ला ने कहा कि विज्ञान सोचने, सवाल करने और आगे बढ़ने की कला है। साथ ही डॉ. मृदुल शुक्ला ने कहा कि विज्ञान दल भारतीय जीवन शैली में निहित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुंचा रहा है। इसके अलावा प्रो. दुर्गेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि विज्ञान और संस्कृति का संगम ही भारत की असली शक्ति है। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय विज्ञान दल और नर्वदेश्वर ग्रुप ऑफ कॉलेजेज ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विज्ञान दल के त्रिपाठी एवं संस्थापक प्रो. नरेंद्र मणि त्रिपाठी और डॉ अखिलेश मिश्र आईएएस भी उपस्थित थे। इस अवसर पर देशभर के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, कलाकारों और समाजसेवियों को स्वर्गीय राधेश्याम शुक्ल- लीलावती देवी सम्मान से दिया गया। इनमें प्रमुख रूप से डॉ. मृदुल शुक्ल, डॉ. संतोष कुमार शुक्ला (वरिष्ठ वैज्ञानिक), श्रीमती रेनू शुक्ला (उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय विज्ञान दल), डॉ. रुद्र देव त्रिपाठी डॉ. यादवेंद्र सिंह यादव, प्रो. सौरभ मालवीय लखनऊ विश्वविद्यालय, श्रीमती अंजनी द्विवेदी दुर्गा कला केंद्र, आशुतोष पाठक (इनोवेटर), डॉ. आनंदेश्वरी अवस्थी (पूर्व निदेशक, प्लानिंग कमीशन, उ.प्र., श्रीमती मनोरमा देवी (प्राचार्य, वीर राघव भागवत संस्कृत महाविद्यालय), श्रीमती विजयलक्ष्मी पांडे (कोषाध्यक्ष, अखिल भारतीय विज्ञान दल), तुमुल शुक्ल (प्रेसिडेंट, लखनऊ इनोवेटर सेल), रमेश मिश्रा (अध्यक्ष, बिजनेस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि.), हिमांशु मणि (दिव्यांग खिलाड़ियों के कोच, हर्षवर्धन मणि त्रिपाठी (अंतरराष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी), यशवर्धन मणि त्रिपाठी (टेबल टेनिस एवं फुटबॉल खिलाड़ी), राजकुमार त्रिपाठी (प्रधानाचार्य, सरस्वती विद्या मंदिर, बाराबंकी, जानवी पांडे लोकगायिका, डॉ. शिवपूजन शुक्ल सलाहकार, बायोटेक पार्क, डॉ. श्रीकांत रथ मुख्य प्रधान वैज्ञानिक, सीडीआरआई, देव प्रकाश मिश्र, सिद्धार्थ तिवारी, श्रीमती अनीता तिवारी, मृत्युंजय प्रसाद मिश्र, प्रशांत शुक्ल, डॉ. किरण गुप्ता असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कृति पांडे, बृजेन्द्र मिश्र, अंकित शुक्ल, प्रो. अनुराग पांडे, संदीप शाही, डॉ. पी.के. तिवारी (बाराबंकी), डॉ. सत्यभूषण वर्मा (लखनऊ विश्वविद्यालय), दीपशिखा, काजल, सुखदा शर्मा, स्तुति यादव, रेनू राय, राकेश पांडे (फार्मासिस्ट) तथा नम्रता पांडे, रिंकी मिश्रा सहित अनेक प्रतिष्ठित हस्तियाँ शामिल रहीं। इस मौके पर एक काव्य संध्या का भी आयोजन हुआ। जिसमें राष्ट्र कवि डॉ अखिलेश मिश्र, रितु श्रीवास्तव, पियूष योगी, गौरव गौरवान्वित और झमाझम बैसवारी ने अपनी कविताओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दुर्गेश मणि त्रिपाठी ने की तथा संचालन डॉ. संतोष कुमार शुक्ला ने किया।

संक्षिप्त समाचार

मिशन सशक्तिकरण समिति ने मनाया अपना पांचवा वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह

लखनऊ। मिशन सशक्तिकरण समिति उत्तर प्रदेश के द्वारा यूपी प्रेस क्लब में अपना पांचवा वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकार्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भरतनाट्यम नृत्यांगना यशिका शुक्ला ने गणेश वंदना की प्रस्तुति दी। संस्था की संरक्षक डॉ. ज्योत्सना सिंह के द्वारा स्वागत उद्बोधन के माध्यम से संस्था के उद्देश्यों एवं कार्यों का परिचय देते हुए सभी का आभार एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित विभूतियां समाज सेविका श्रीमती रीता नाथ ,नेत्र चिकित्सक डॉ स्वाति पाल, पैडमैन ऑफ लखनऊ एवं सृजन फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री अमित सक्सेना, नित्य धाम डांस अकैडमी की ओनर सुश्री निशि मिश्रा , मिसेज उत्तर प्रदेश सम्मान से सम्मानित श्रीमती प्रतिमा सोनकर ,आर्मी आफिसर कर्नल नृपेंद्र सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती निशी सिंह, मोटिवेशनल स्पीकर श्री अभिनव, एवं नारायणी होंडा की ओनर शताक्षी गुप्ता को सम्मानित किया गया। बाल कलाकारों के द्वारा लोकगीत व नृत्य की सुंदर प्रस्तुति की गई।कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें सुप्रसिद्ध कवयित्री डॉ. शोभा दिक्षित भावना श्री चंद्रदेव दीक्षित, श्री मेहंदी हसन नकवी, श्रीमती साधना मिश्रा लखनवी,श्रीमतीविमलेश गंगवार,श्रीमती तारा गुप्ता एवम श्री एस के .त्रिवेदी जी के द्वारा काव्य पाठ किया गया पूरे कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रेनू मिश्रा ने किया। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह, प्रमुख संरक्षक श्रीमती सविता व्यास संरक्षक डॉ.शोभा दिक्षित भावना ,श्रीमती शशि तिवारी,श्रीमती नीरज नीरू,श्रीमती रश्मि लहर,श्रीमती प्रियंका सिंह,श्रीमती कविता सिंह, के द्वारा सभी को पौधा भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक जी. एल.गांधी जी के द्वारा अंत में आभार व्यक्त करते हुए सभी को पुनः वार्षिकोत्सव की हार्दिक बधाई दी गई।

एसआईआर पर सवाल उठाने वाले लोकतंत्र के असली दुश्मन: केशव मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि चुनाव आयोग द्वारा 12 राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) की पहल लोकतंत्र को मज़बूत करने वाली नेक कवायद है और जो राजनीतिक दल इस प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, वे दरअसल लोकतंत्र के असली दुश्मन हैं। श्री मौर्य ने मंगलवार को एक्स पर लिखा ल्ल वंशवादी दलोंङ्क की पूरी राजनीति चुनावी फर्जीवाड़े पर टिकी है। इसलिए जब भी कोई सुधारात्मक कदम उठाया जाता है, वे सबसे ज़्यादा हल्ला मचाते हैं। मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाना लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करता है और इससे केवल ईमानदार राजनीति को ही लाभ होगा। बिहार की राजनीति पर बोलते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा ल्ल अब राज्य में जंगलराज की यादें मिट रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार की योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं और विकास के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। सुशासन, पारदर्शिता और विकास ही एनडीए की पहचान है। जनता अब उन दलों को पहचान चुकी है जिनकी राजनीति केवल झूठ, भ्रम और परिवारवाद पर आधारित रही है। बिहार और पूरे देश में जनता अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्थायी विकास और सशक्त लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ रही है।

राजधानी में घाटों पर तेज बारिश के बीच सूर्य को अर्घ्य, तेज हवा में भी नहीं बुझे दिये

लखनऊ। छठ महापर्व पर राजधानी लखनऊ में तेज बारिश के बीच भगवान भास्कर को अरघ्य दिया गया। बारिश के चलते कुछ श्रद्धालुओं ने शुभकामना लिखे बैनर ही ओढ़ लिए। वहीं, जब अधिकतर ने छाते निकाले तो घाट पर छाते ही छाते नजर आए। वैसे तो लखनऊ में 51 घाटों पर छठ पूजन किया गया, लेकिन हर बार की तरह लक्ष्मण मेला घाट पर सबसे ज्यादा भीड़ रही। महिला श्रद्धालुओं गोमती में खड़े होकर जप करते हुए भगवान सूर्य को अरघ्य दिया। एक महिला ने ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिस अधिकारी को भखरा सिंदूर लगाया। आज अरघ्य के साथ ही 36 घंटे से चल रहा निर्जला उपवास पूरा हो गया। व्रतियों ने घर जाकर पारण किया।

सांप्रदायिक नफरत फैलाने वालों पर हो सख्त कार्रवाई : मायावती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले की डुमरियागंज सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के विवादित बयान पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुयेकहा कि ''मुस्लिम लड़की लाओ, नौकरी पाओ' जैसे संकीर्ण और घृणित बयानङ्क समाज में नफरत, वैमनस्य और अराजकता फैलाने वाले हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार को सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। सुश्री मायावती ने मंगलवार को एक्स पर लिखा यूपी और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और इस तरह के भड़काऊ नारों के नाम पर कानून को अपने हाथ में लेकर साम्प्रदायिक और जातीय द्वेष फैलाने वाले तत्वों की हरकतें अति-निंदनीय हैं। ऐसे असामाजिक व आपराधिक कृत्य संवैधानिक सरकार के लिए खुली चुनौती और खतरा हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की कि वे राज्य की करोड़ों जनता के हित में कानून का राज स्थापित करें और सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों को संरक्षण देने के बजाय उनके खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई ही व्यापक जन व देशहित में है। गौरतलब है कि सिद्धार्थनगर के बीते 16 अक्टूबर को सिद्धार्थनगर जिले के भवानीगंज थाना क्षेत्र के धनखरपुर गांव में एक जनसभा का आयोजन किया गया था। जिसमें भाजपा के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने एक विवादित बयान दे डाला। उन्होंने कहा, ''हमारे समाज की दो लड़कियां वो ले गए, तुम मुसलमानों की 10 लड़कियां लाओ। दो पर 10 से कम मंजूर नहीं हैं और ये घोषित करते हैं जो यह लेकर आएगा, उसके खाने-पीने, नौकरी का इंतजाम हम करेंगे। लेकिन जो यह दो गई हैं, वह हमें पच नहीं रही हैं।

उप्र में घरेलू यात्रियों में 15.7 और एयर कार्गो में 19.1 प्रतिशत का आया उछाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी और यात्री संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। अप्रैल से अगस्त के बीच प्रदेश के हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 14.6 प्रतिशत बढ़कर 60.02 लाख हो गई है। वहीं इस दौरान भारत के कुल हवाई यातायात में राज्य की हिस्सेदारी 3.52 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2024 की तुलना में 34 बेसिस पॉइंट्स अधिक है।

अधिकृत सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि साफ है कि अब देश के हर 30 में से एक हवाई यात्री उत्तर प्रदेश से यात्रा कर रहा है। साल 2016-17 में जहां उत्तर प्रदेश के हवाई अड्डों से 59.97 लाख यात्री यात्रा करते थे, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 142.28 लाख तक पहुंच गई। इनमें 129.29 लाख घरेलू और 12.99 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्री शामिल रहे। इस दौरान राज्य का कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट 10.1 प्रतिशत रहा, जो एविएशन सेक्टर में तेजी से बढ़ती मांग को दर्शाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान 2020-21 में यात्री संख्या 48.35 लाख तक गिर गई थी, लेकिन यूपी ने सबसे तेज रिकवरी दिखाई। महज दो वर्षों में यात्रियों की संख्या दोगुनी हो गई, जो राज्य की मजबूत हवाई नीति और बेहतर प्रबंधन का प्रमाण है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 में हवाई यात्रियों की संख्या में 25.9 प्रतिशत का ग्रोथ दर्ज किया गया है, जबकि 2023-24 और 2024-25 में अप्रैल-अगस्त माह के बीच कंपैरिजन करें तो यह ग्रोथ 14.6 प्रतिशत रही। इस दौरान घरेलू यात्रियों में 15.7 प्रतिशत और इंटरनेशनल पैसेंजर्स की संख्या में 4.3 फीसदी ग्रोथ दर्ज की गई। राज्य के कई शहरों ने इस ग्रोथ में अहम योगदान दिया है। 2023-24 से 2024-25 के बीच वाराणसी में 34.4 प्रतिशत, प्रयागराज में 76.4 प्रतिशत, गोरखपुर में 27.6 प्रतिशत और कानपुर में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि धार्मिक पर्यटन और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी ने यात्री संख्या को तेजी से बढ़ाया है। खासतौर पर अयोध्या एयरपोर्ट, जिसे मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि के नाम पर समर्पित किया था, अब उत्तर भारत के सबसे तेजी से बढ़ते टर्मिनल्स में शामिल है। 2023-24 में जहां दो लाख से ज्यादा पैसेंजर्स ने यहां से हवाई उड़ान भरी थी तो वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 11 लाख से अधिक पहुंच गया। वहीं प्रयागराज और वाराणसी से भी धार्मिक और व्यावसायिक उड़ानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रयागराज में 2023-24 में छह लाख से अधिक एयर पैसेंजर्स ने यात्रा की तो वहीं 2024-25 में यह संख्या 10.77 लाख से अधिक पहुंच गई। इसी तरह वाराणसी में 2023-24 में करीब 30 लाख एयर पैसेंजर्स यात्रा कर रहे थे तो वहीं 2024-25 यह संख्या 40 लाख का आंकड़ा पार कर गई। गोरखपुर में 2023-24 में 6.8 लाख की तुलना में 2024-25 में 8.67 लाख से अधिक हवाई यात्रियों ने सफर किया। लखनऊ ने भी अपनी रफ्तार में इजाफा किया है, जहां 2023-24 की तुलना में 2024-25 में 4.1 फीसद की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश अब व्यापार और निर्यात के लिए भी एयर कनेक्टिविटी का बड़ा केंद्र बन रहा है। वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2024-25 तक राज्य के एयर कार्गो में 19.1 प्रतिशत का सीएजीआर दर्ज किया गया है। यह 5.89 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर 28.36 हजार मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो कि अब तक का सर्वाधिक है। ङ्क2024-25 में लखनऊ एयरपोर्ट ने 22,099 मीट्रिक टन कार्गो हैंडल किया, जबकि वाराणसी में 27.7 प्रतिशत और प्रयागराज में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई। 2023-24 से 2024-25 के बीच टोटल ग्रोथ 9.4 प्रतिशत रही।

इस दौरान एयर कॉर्गो 25,915 मीट्रिक टन से 28,356 मीट्रिक टन पहुंच गया। अप्रैल-अगस्त 2025 में कानपुर (165 प्रतिशत) और आगरा (247 प्रतिशत) में रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज हुई जो बताता है कि राज्य के इंडस्ट्रियल क्लस्टर अब अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन से जुड़ रहे हैं। अप्रैल-अगस्त 2025 में राज्य का भारत के कुल एयर कार्गो में हिस्सा 0.79 फीसदी हो गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में एक बेसिस पॉइंट अधिक है।

खड़े ट्रक में कंटेनर ने मारी टक्कर, दो लोग गंभीर रूप से घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सोमवार देर रात रहीमाबाद थाना क्षेत्र के भतोइया स्थित गुलाल खेड़ा मोड़ के पास एक सड़क हादसा हो गया। हरदोई की ओर जा रहे कबाड़ लदे एक ट्रक को सड़क किनारे खड़े होने के दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कबाड़ लदे ट्रक के चालक गुलाम नबी (निवासी निर्धना थाना चेरथावाल, मुजफ्फरनगर) और कंटेनर पर सवार राशिद घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर रहीमाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। मंगलवार सुबह पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। बताया गया है कि टक्कर के समय पीछे से कोई अन्य वाहन नहीं आ रहा था, जिससे एक बड़े हादसे को टाला जा सका।

नोएडा पुलिस द्वारा 01 ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- कब्जे से लगभग 1.5 करोड़ कीमत की 03 किलो ड्रग्स (चरस) बरामद

लखनऊ। दिनांक 27.10.2025 थाना सेक्टर-58 पुलिस द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस व गोपनीय सूचना की सहायता से ड्रग्स की तस्करी करने वाले अभियुक्त शुभम कुमार पुत्र राकेश कुमार को सेक्टर-59 मेट्रो स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से लगभग 1.5 करोड़ कीमत की 03 किलो ड्रग्स (चरस) बरामद की गई है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त शुभम कुमार द्वारा बताया गया कि वह अपने साथी वैभव के साथ मिलकर पहाड़ी क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में सस्ते दामों पर चरस (हैश) लाता है तथा उसे दिल्ली-एनसीआर एवं आस-पास के क्षेत्रों में महंगे दामों बेच कर मोटा मुनाफा कमाता है तथा प्राप्त धनराशि को अभियुक्त शेयर मार्केट में निवेश कर शीघ्र अमीर बनने की लालच में इस प्रकार के अपराध को अंजाम देते हैं। अभियुक्त शुमभ कुमार द्वारा बताया गया कि वह वैभव के कहने पर पहली बार ड्रग्स (चरस) की सप्लाई करने नोएडा आया था। अभियुक्त के अन्य साथ वैभव के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्र करते उसके विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- शुभम कुमार पुत्र राकेश कुमार निवासी अशोकपुरी, थाना कंकरखेडा, मेरठ वर्तमान पता आम्रपाली गोल्फ होम्स, सेक्टर-04 नोएडा, उम्र 28 वर्ष। पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-390/2025 धारा 8/20/29 एनडीपीएस एक्ट, थाना सेक्टर-58, गौतमबुद्धनगर।

केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी 30 अक्टूबर को आएंगे बस्ती

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी 30 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद के दौरे पर आएंगे। यहां वह एक इंटर कॉलेज में जनसभा को संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश रालोद के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने मंगलवार को बताया कि पार्टी अध्यक्ष एवं केन्द्र में कौशल विकास और उद्यमिता विभाग मंत्री जयंत चौधरी दो दिन बाद 30 अक्टूबर को प्रदेश के बस्ती जिला के दौरे पर आ रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री दिल्ली से विमान द्वारा पहले सुबह 9:40 बजे प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट आएंगे। यहां पर उनका पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता स्वागत करेंगे। इसके बाद वह अयोध्या से सड़क मार्ग से बस्ती के लिए रवाना होंगे। मीडिया प्रभारी ने बताया कि लगभग 11 बजे केन्द्रीय मंत्री बस्ती में वॉल्टरगंज स्थित देशराज नारंग दयानंद इंटर कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे और जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम समापन के बाद दोपहर लगभग 1:15 बजे पार्टी अध्यक्ष जयंत चौधरी का काफिला सड़क मार्ग से गोरखपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना हो जाएगा।

योगी सरकार के विकसित यूपी का विजन बना जनआंदोलन, 60 लाख सुझावों से सजे 'समर्थ यूपी' के सपने

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने के लक्ष्य को लेकर चल रहा ल्लसमर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश अ2047 : समृद्धि का शताब्दी पर्व महा अभियानङ्क जनभागीदारी का प्रतीक बनता जा रहा है।

मंगलवार तक प्रदेश के 75 जनपदों में नोडल अधिकारियों एवं प्रबुद्ध जनों द्वारा भ्रमण कर विभिन्न लक्षित समूहों छात्र, शिक्षक, उद्यमी, कृषक, स्वयंसेवी संगठन, श्रमिक संगठन, मीडिया एवं आम नागरिकों से संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान लोगों से प्रदेश की विकास यात्रा और भविष्य के रोडमैप पर सुझाव लिए गए। अब तक समर्थ पोर्टल पर करीब 60 लाख फीडबैक प्राप्त हुए हैं। इनमें से 75 फीसदी से ज्यादा सुझाव ग्रामीण क्षेत्रों से मिले हैं। आंकड़ों के अनुसार, करीब 30 लाख सुझाव 31 वर्ष से कम आयु वर्ग के युवाओं ने दिए हैं, जबकि 26 लाख से अधिक सुझाव 31-60 वर्ष आयु वर्ग से और 3 लाख से अधिक सुझाव वरिष्ठ नागरिकों से प्राप्त हुए हैं। विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त सुझावों में कृषि (16 लाख) और शिक्षा (15 लाख) सबसे आगे हैं। इसके अलावा ग्रामीण विकास (12 लाख), समाज कल्याण (5 लाख), स्वास्थ्य (4 लाख), पशुधन (3 लाख), इंडस्ट्री (2.5 लाख) और आईटी-टेक (2 लाख) से भी भारी संख्या में सुझाव मिले हैं। जनपदवार आंकड़ों में जौनपुर पहले, संभल दूसरे, गाजीपुर तीसरे, प्रतापगढ़ चौथे और बिजनौर पांचवें स्थान पर हैं। वहीं, इटावा, महोबा, हापुड़, गौतमबुद्ध नगर और ललितपुर में सुझाव अपेक्षाकृत कम प्राप्त हुए हैं। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि महाभियान के तहत राज्यभर में व्यापक जनसंवाद अभियान चलाया गया है। अब तक 214 नगर पालिकाओं, 18 नगर निगमों, 63 जिला पंचायतों, 556 नगर पंचायतों, 751 क्षेत्र पंचायतों और करीब 50 हजार ग्राम पंचायतों में बैठकों व गोष्ठियों का आयोजन किया जा चुका है।

इन आयोजनों से स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और विभागों के बीच संवाद को मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश अ2047' के अनुरूप प्राप्त सुझावों के आधार पर अब विजन डॉक्यूमेंट निर्माण प्रक्रिया जारी है। यह अभियान न केवल विकास का खाका तैयार कर रहा है, बल्कि साझा भागीदारी के माध्यम से जन-जन तक संवाद का सशक्त सेतु बनता जा रहा है।

आगरा नगर निगम का बड़ा खेल, एक ही काम के जारी किए 2 प्रमाण पत्र

लखनऊ। आगरा नगर निगम का बड़ा खेल हुआ है। एक ही काम के 2 प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। अब जांच की मांग उठी,कई अफसरों और ठेकेदारों की पोल खुलने की संभावना है। नगर निगम आगरा ने ठेकेदार कंपनी एसआरएस एक्सप्रेस को एक ही अनुबंध के आधार पर कई कामों के लिए अनुभव प्रमाण पत्र जारी किया।एक ही अनुभव पत्र से कंपनी ने विभिन्न विभागों में करोड़ों के सरकारी ठेके हासिल कर लिए गये। स्मार्ट सिटी कार्यालय से जारी प्रमाण पत्रों का उपयोग अलग-अलग परियोजनाओं में किया गया।113 करोड़ रुपए के काम में अनुभव पत्र की भूमिका संदिग्ध पाई गई। नगर निगम की इस कार्यप्रणाली से कई अन्य विकास कार्यों की निविदाओं पर भी सवाल उठे हैं।फर्जी अनुभव के आधार पर ऊर्जा, विद्युत, पेयजल, और स्वच्छता से जुड़े ठेके हासिल किए गए। सूत्रों के मुताबिक एक ही फर्म को नगर निगम के साथ-साथ अन्य विभागों में भी टेंडर दिलवाने की कोशिश की गई।

यूपी में विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू, प्रदेश के 1.62 लाख बूथों पर एक साथ चलेगा अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- राज्य में अब किसी भी मतदान केंद्र पर नहीं होंगे 1200 से अधिक मतदाता

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के द्वितीय चरण में उत्तर प्रदेश सहित देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कराने का निर्णय लिया है। यह विशेष अभियान लगभग 22 वर्ष बाद आज 28 अक्टूबर 2025 से फिर शुरू हुआ है। उत्तर प्रदेश के 1,62,486 बूथों पर एक साथ यह पुनरीक्षण कार्य किया जाएगा और इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा मतदेय स्थल पर बूथ लेवल अधिकारी की तैनाती की गई है। उत्तरप्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को सफलतापूर्वक करने के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और बीएलओ को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक तैयारी, प्रशिक्षण और प्रपत्र मुद्रण का कार्य होगा। 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करेंगे और भरवाकर वापस लेंगे। आलेख्य मतदाता सूची 9 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी रिणवा ने बताया कि दावे और आपत्तियां 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक प्राप्त की जाएंगी जबकि इनका निस्तारण 31 जनवरी तक पूरा होगा। अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी 2026 को प्रकाशित होगी। उत्तर प्रदेश में लगभग 15.44 करोड़ मतदाता हैं। 75 जिला निर्वाचन अधिकारी, 403 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 2,042 सहायक अधिकारी और 1,62,486 बूथ लेवल अधिकारी कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी मतदेय स्थल पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे, इसके लिए मतदेय स्थलों का सत्यापन और समायोजन भी इस अवधि में किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की है।

एकता के प्रतीक सरदार पटेल जयंती पर योजनाओं की रूपरेखा तय

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। विकासखंड के श्री जानकी प्रसाद इंटर कॉलेज कछौना में मंगलवार क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा व भाजपा पदाधिकारियों के नेतृत्व में लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती अभियान के अंतर्गत विधानसभा स्तरीय पदयात्रा हेतु योजना बैठक का आयोजन किया गया! विधानसभा प्रभारी अभय शंकर शुक्ला ने बताया की पदयात्रा 18 नवंबर दिन मंगलवार को प्रात: 10:00 बजे पीबीआर इंटर कॉलेज गौसगंज से आरंभ होकर नगर कछौना में एक विशाल जनसभा के साथ संपन्न होगी!

विधायक रामपाल वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है! यह एक गैर राजनैतिक यात्रा है जिसमें अधिक से अधिक संख्या में लोगों को बढ़-चढ़ कर भागीदारी करनी चाहिए! लगभग दस किलोमीटर की पद यात्रा में पांच पड़ाव होंगे जहां यात्रियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई है! यात्रा के दौरान चिकित्सीय उपचार हेतु एंबुलेंस भी उपलब्ध रहेगी! यात्रा के दौरान यातायात के नियमों का पालन कराने के भी निर्देश दिए गए हैं! यात्रा में महिलाएं व स्कूल के बच्चे भी सहभागिता करेंगे! ज्यादा से ज्यादा संख्या सुनिश्चित करने के लिए सभी मंडल पदाधिकारी को कहा गया है! बैठक का संचालन पूर्व मण्डल अध्यक्ष नवीन पटेल ने किया! बैठक के अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष/लोकसभा संयोजक कर्मवीर सिंह चौहान, सिद्ध प्रताप मौर्य, जिला उपाध्यक्ष (पि०मो०) डॉ० शिवराज सिंह, जिला मंत्री अजय शुक्ला, नगर पंचायत अध्यक्ष राधा रमण शुक्ला पंकज सहित अभियान में सहयोग कर रहे भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे!

जयंती पर होगा बृहद पद यात्रा का आयोजन: प्रभाष कुमार

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। राष्ट्रीय एकता व अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती पर सांडी विधानसभा के सुरसा क्षेत्र में विशाल पद यात्रा का आयोजन होगा।पद यात्रा की तैयारी को लेकर मंगलवार को विकास खंड कार्यालय परिसर में विचार विमर्श बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता विधायक प्रभाष कुमार की। सुरसा व अहिरोरी मंडल पदाधिकारियों को संबोधित करते उन्होंने कहा सरदार पटेल जी आधुनिक भारत के शिल्पकार थे ।उनकी जंयती पर विशिष्ट तौर पद यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसको सफल बनाएं जाने को लेकर आज चर्चा हुई है। जो सुरसा गांव से शुरू होते हुए क्षेत्र के खुटेहना तिराहा,रामपुर आदि दर्जनों गांव होते हुए निकलेगी। यात्रा को मुख्य उद्देश्य लोगों में देशप्रेम भावना को बढ़ावा देना और उनकी स्मृतिओं और विचारों का लोगों में संचार करने के साथ ही भाजपा की सबका साथ सबका विकास पर परिकल्पना को पूरा करना होगा।

■ पद यात्रा को सफल बनाएं जाने के लिए सुरसा विकास खंड कार्यालय परिसर में हुई बैठक।

इस मौके पर विशिष्ट रूप से भाजपा नेता अशोक सिंह, ब्लाक प्रमुख अहिरोरी पन्ने सिंह ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि धनंजय मिश्र सुरसा श्याम मिश्रा व बम्हनाखेडा मंडल अध्यक्ष शिवा सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष रजनीश वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

समस्त मानव जाति के कल्याण एवं विश्व कल्याण के लिए कराया जा रहा है संकीर्तन अनुष्ठान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कोथावाँ (हरदोई)। श्री नैमिषारण्य क्षेत्र के अंतर्गत विकास खण्ड कोथावा के सन्निकट श्री हत्या हरण तीर्थ स्थान पर विराजमान है साक्षात श्री हनुमान जी महाराज जिनके दर्शन के लिए प्रत्येक दिन हजारों की संख्या में आते हैं श्रद्धालु क्षेत्रीय लोगों के अनुसार कई हजार वर्ष पुराना बताया जाता है हनुमान जी महाराज का स्थान इन्हीं हनुमान जी महाराज की अध्यक्षता में एमं संरक्षता में श्री हत्या हरण तीर्थ स्थान पर हो रहा है। 14 वर्षों के लिए अनवरत श्री सीताराम नाम संकीर्तन का यह अनुष्ठान अनवरत 14 वर्षों तक निरंतर चलने वाला श्री सीताराम नाम संकीर्तन 6.4.2023 चैत्र पूर्णिमा से शुरू होकर 2037 को चैत्र पूर्णिमा के दिन विश्राम दिवस होगा इस श्री सीताराम नाम संकीर्तन अनुष्ठान का उद्देश्य समस्त मानव जाति के कल्याण एवं विश्व कल्याण के लिए कराया जा रहा है जिसमें 366 टीमें बनाई गई है हर क्षेत्र हर वर्ग से टीम बनी हुई है प्रत्येक टीम को 24 घंटे सीताराम नाम संकीर्तन करने का मौका दिया जाता है हर टीम को वर्ष में एक बार श्री सीताराम नाम संकीर्तन करने का मौका मिलता है जिसमें भक्त अपने श्रद्धा भाव से आते हैं व सीताराम नाम संकीर्तन का पाठ करते हैं यहीं पर बने धर्मशाला परिसर में भोजन प्रसाद बनाकर भगवान को भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण करते हैं समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं इसी क्रम में जब आज मैं श्री सीता राम राम संकीर्तन परिसर पहुंचा तो अनुज सिंह गंगापुर बेनीगंज की टीम चल रही थी जो कल शाम ०4:00 बजे आए थे और आज शाम ०4:00 बजे उनका विश्राम दिवस होगा ०4:00 दूसरी टीम अपनी जिम्मेदारी संभाल लेगी। अनुज सिंह ने बताया कि मैं 3 वर्षों से अपनी तारीख के अनुसार लगातार सीताराम नाम संकीर्तन करने आ रहा हूं मुझे बहुत ही आनंद की अनुभूति होती है और उनकी टीम में मौजूद भक्तगण भोला सिंह, विकट सिंह विजय त्रिवेदी दीपू राठौर तुलसी सिंह, एकता सिंह शिवानी सिंह मीनाक्षी दीपिका अंजलि आदि सैकड़ो भक्तगण उपस्थित मिले उन्होंने बताया कि यह अनुष्ठान अयोध्या के संत अवधेश दास महाराज के द्वारा श्री हनुमान जी महाराज की कृपा से शुरू कराया गया है जिसमें क्षेत्रीय व आसपास के कई जिलों के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और यह श्री सीताराम नाम संकीर्तन निरंतर चलता रहता है।

उप जिलाधिकारी न्यायिक, सण्डीला को बनाया गया राजघाट मेला अधिकारी: जिलाधिकारी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिलाधिकारी अनुनय झा ने कहा है कि आगामी 05 नवम्बर 2025 को हिन्दू सम्प्रदाय के लोगों की श्रद्वा का प्रतीक पवित्रा कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान पर्व मनाया जायेगा, जिसमें तहसील बिलग्राम के राजघाट पर बड़ी संख्या में श्रद्वालू गंगा स्नान करते हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि राजघाट पर 04 एवं 05 नवम्बर 2025 को आयोजित होने वाले मेले में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्वेश्य से उप जिलाधिकारी न्यायिक सण्डीला संजय कुमार अग्रहरि को सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का मेला अधिकारी बनाया गया है। उन्होने श्री अग्रहरि को निर्देश दिये है कि सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में पेयजल, मोबाइल शौचालय, डस्टबीन एवं साफ-सफाई आदि आवश्यक व्यवस्थाएं कराना सुनिश्चित करें तथा मेला क्षेत्र में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु आवश्यक कार्यवाही सनिश्चित करें।

■ सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में आवश्यक व्यवस्थायें कराये तथा शान्ति एवं कानून व्यवस्था हेतु आवश्यक कार्यवाही करें: अनुनय झा

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के साथ जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा उनकी शिकायतों को समय से निस्तारित कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कारागार के भोजनालय को देखा तथा जेल अधीक्षक को निर्देश दिये कि बंदियों को गुणवत्ता परक भोजन समय से दिया जाये। कारागार के चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित डाक्टरों को निर्देश दिये कि बीमार बंदियों की उचित जांच करायें और गंभीर बीमार बंदियों को जिला चिकित्सालय में भर्ती करायें।

जिलाधिकारी ने की सीएम डैस बोर्ड (विकास) की समीक्षा बैठक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में विकास कार्यों से सम्बंधित विभागों की सीएम डैशबोर्ड की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड पर विभागीय योजनाओं की प्रगति परिलक्षित होती है जिसकी समीक्षा शासन स्तर पर की जाती है। प्रतिमाह सभी जिलों की रैंकिंग शासन द्वारा जारी की जाती है। प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग की अनवरत समीक्षा की जाये। रैंकिंग में सुधार के लिए विशेष प्रयास किये जाएं। सूचनाओं की विभागीय पोर्टल पर ससमय फीडिंग सुनिश्चित की जाये। इस अवसर पर, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अरूणिमा श्रीवास्तव, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बेरियाघाट मेले मे प्रशासनिक व्यवस्था युद्ध स्तर पर जारी

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। राजकीय मेला बेरिया घाट पर बारिश के मौसम मे भी तहसील प्रशासन एवं जिला प्रशासन ने युद्ध स्तर पर कार्य को प्रगति की ओर बढ़ाने का काम किया जा रहा है। जिसमें अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह एवं उप जिलाधिकारी एन राम ने जेसीबी पर बैठकर बाधित पड़े मार्ग को सही करवाया है। पांच दिवसीय बेरिया घाट पर लगने वाले मेले का आए दिन जिला प्रशासन एवं तहसील प्रशासन राजस्व टीम विद्युत विभाग एवं पालिका परिषद मल्लावां तथा जल निगम के कर्मचारी रातों दिन अपनी मेहनत करने में कोई कसर बाकी नहीं रख रहे हैं वही आज बारिश के मौसम में भी एडीएम हरदोई प्रियंका सिंह एवं एसडीएम बिलग्राम एन राम ने मेला प्रांगण में पहुंचकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने मे दिखे ताजुब की बात जब देखी गई कि जब एसडीएम व एडीएम दोनों अधिकारियों ने जेसीबी पर बैठकर मार्ग को दुरुस्त करने में लगे रहे वही ग्रामीणों ने अधिकारियों को जेसीबी पर बैठे देखकर मार्ग दुरुस्त कराते देख दांतो तले उंगलियां दबा ली बारिश के मौसम में लोग अपने घरों में अपनी जान बचाए बैठते हैं लेकिन हरदोई के प्रशासनिक अधिकारियों ने बारिश में भी कार्य को प्रगति की ओर पहुंचने का काम कराते दिखे। पांच दिवसीय मेले में किसी भी प्रकार की कमी न होने पाए जिसको देखते हुए प्रशासनिक व्यवस्था बारिश को भी नजरंदाज कर दिया। इस मौके पर लार्जेस्ट टीम भी मौजूद रही।

■ एडीएम व एसडीएम ने जेसीबी में बैठ कर बाधित पड़े मार्ग को सही करवाया।

पुलिस मुठभेड़ में इनामिया बदमाश अवैध शस्त्र सहित गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। जनपद में विभिन्न अपराधिक घटनाओं की रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान में कछौना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है! सोमवार की रात पुलिस ने एक हिस्ट्रीसीटर/इनामिया बदमाश को मय अवैध शस्त्र के मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है!

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली कछौना के अंतर्गत सोमवार की रात रूपये 25000 के इनामिया/हिस्ट्रीसीटर बदमाश कपिल पुत्र बालकराम निवासी समसपुर थाना कछौना जनपद हरदोई को पुलिस ने सुठेना कीरतपुर मार्ग पर कूडा गांव के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है! पुलिस को जानकारी मिली कि विभिन्न अपराधों में वांछित अभियुक्त सुठेना कीरतपुर मार्ग से कहीं जाने की फिराक में है! पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गांव के निकट घेराबंदी की तो इसी समय संदिग्ध युवक पैदल आता दिखाई दिया! जिसे पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास करने पर अभियुक्त पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगा! पुलिस की जवाबी कार्यवाही में अभियुक्त के दाहिने पैर पर गोली लगने से घायल होकर वहीं गिर पड़ा! जिसे पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर उपचार हेतु सीएचसी कछौना भेजा गया! अभियुक्त के पास एक अवैध 315 वोट तमंचा, एक जिंदा कारतूस व एक खोखा बरामद हुआ है!

गिरफ्तार अभियुक्त कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पश्चिमी बाजार, तकिया पतसेनी, नैरा, कमालपुर, ज्ञानपुर, पहावा, पड़री आदि गांवों में हुई ताबड़तोड़ चोरियों में वांछित है! जिसके बाद पुलिस अधीक्षक हरदोई द्वारा अभियुक्त पर रूपये 25000 का इनाम घोषित किया गया था! प्रभारी निरीक्षक प्रेम सागर सिंह ने बताया गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है! अभियुक्त के खिलाफ जिले कई थानों में विभिन्न थानों में कई अभियोग पंजीकृत है!

पांच अभियुक्त चोरी के माल सहित गिरफ्तार

अपराधियों/अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे तलाशी अभियान में कछौना पुलिस ने सोमवार को पांच अभियुक्तों निखिल उर्फ विक्रम उर्फ निक्की पुत्र सियाराम नटपुरवा थाना कछौना हरदोईए सूरज पुत्र लक्ष्मण मोती नगर उन्नाव, अनिल वैश्य पुत्र श्रीराम वैश्य बेनीगंज हरदोई, नीलू उर्फस्पर्श वैश्य पुत्र भोलेनाथ वैश्य बेनीगंज हरदोई, महेंद्र सोनी पुत्र गणेश प्रसाद रहीमाबाद लखनऊ को गिरफ्तार किया है! गिरफ्तार अभिक्तों के पास से आठ जोड़ी सफेद धातु की पायल व 208750 रुपए नगदी बरामद की गई है! गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रेम सागर सिंह, उपनिरीक्षक राजेश सिंह, शुभम मिश्रा, विशाल पुंडीर, हेड कांस्टेबल रवि, अरविंद कुमार, कांस्टेबल विकास, तूफान, बंटी व प्रेम तथा स्वाट/सर्विलांस टीम से उप निरीक्षक राजेश, हेड कांस्टेबल अनिल, कांस्टेबल ओमवीर, नितिन, यादवेंद्र आदि मौजूद रहे!

पतली सड़क से दनदनाती हुई दौड़ रही है अवैध हरी लकड़ी लदी हुई ट्रैक्टर ट्रालियां, वन विभाग मौन

शाहाबाद में गलियों में दौड़ रही है हरी लकड़ी भरी हुई ट्रैक्टर ट्रालियां फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। वन विभाग और पुलिस की मिली भगत के चलते अवैध हरी लकड़ी काटने का धंधा बदस्तूर जारी है। दावा किया जा रहा है कि हरी लकड़ी का कटान पूरी तरह से बंद है। लेकिन सड़क पर दौड़ रही है ट्रैक्टर ट्राली वन विभाग के इस दावों की कलई खोलती हुई नजर आ रही है। पाठक जो यह तस्वीर देख रहे हैं। यह मंगलवार की दोपहर की है। मीरा बस्ती की पतली सड़क से अवैध हरी लकड़ी लादकर यह ट्रैक्टर ट्राली दनदनाते हुए दिनदहाड़े गुजर रही है। इसे चेक करने वाला कोई नहीं है। ऐसे ही प्रतिबंधित हरी लड़कियों से भरी ट्रॉलियां दिनदहाड़े सड़कों पर दौड़ती हुई नजर आती हैं। आरा मशीनों पर अवैध लकड़ी के बड़े.बड़े टाल लगे हुए हैं लेकिन वन विभाग के अधिकारी उधर देखना मुनासिब नहीं समझते। दौड़ती हुई ट्रैक्टर ट्राली की यह तस्वीर हमारे शाहाबाद रिपोर्टर ने अपने कमरे में कैद की है। इस संबंध में वन रेंज अधिकारी आलोक शर्मा का कहना है कि लकड़ी पर पूरी तरह से प्रतिबंध है केवल परमिट की लकड़ी ही काटी जा रही है।

ग्रामीणों ने लेखपाल पर लगाया पक्षपात का आरोप

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। तहसील शाहाबाद के मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम आलमनगर के लेखपाल पर पीड़ितों ने पक्षपात करने का आरोप लगाया है। पीड़ितों के अनुसार ग्रामीणों ने एक राय होकर धान की फसल के अवशेष पराली को खेत में ही जला दिया था। जिसकी सूचना जीपीएस मैप द्वारा क्षेत्रीय लेखपाल को हो गई। लेखपाल द्वारा जांच की गई। लेखपाल ने अपने चहेते जमील, आशिक, आसिफ पुत्रगण जाहिद, नसीम पुत्र शाहिद से न जुर्माना वसूला और न ही उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही की, जबकि शब्बीर पुत्र कुन्ना, जहीर पुत्र रग्घा, जहीर पुत्र नसीर, इब्बन पुत्र नसीर, बब्बे पुत्र नसीर और अवधेश पुत्र रामचंद्र से कानूनी कार्यवाही का भय दिखाकर जबरदस्ती जुर्माना वसूल किया गया। पराली जलाने में सभी लोग दोषी थे। लेखपाल द्वारा 6 लोगों पर जुर्माना लगाना और 4 लोगों से जुर्माना न वसूल करने की चर्चा ग्रामवासी कर रहे हैं। नायब तहसीलदार संतोष कुशवाहा ने बताया अभी ऐसी कोई शिकायत उनके संज्ञान में नहीं आई है। अगर शिकायत सही पाई जाती है तो संबंधित लेखपाल के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

दबंग पिता पुत्र ने सास बहू को पीट कर घायल किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली शाहाबाद के मोहल्ला गिगियानी में मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे एक दबंग ने पिता के साथ पड़ोस की रहने वाली सास बहू को मपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। पीड़िता ने पुलिस पर पूर्व की घटनाओं पर कार्यवाही न करने भी आरोप लगाए हैं।

पीड़िता ज्योति राठौर पत्नी धर्मेंद्र के अनुसार उसका पति सब्जी का काम करता है। मंगलवार सुबह 4 बजे उसका पति सब्जी का कारोबार करने मंडी चला गया। पति की गैर मौजूदगी में मोहल्ले का अमित राठौर अपने पिता प्रभु दयाल के साथ उसे गाली गलौज करने लगा शोर सुनकर उसकी सास बाहर निकली तो विपक्षियों ने उन्हें मारना पीटना शुरू कर दिया। वह अपनी सास को बचाने गई तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। आरोपी आए दिन उसके परिवार को प्रताड़ित करते हैं। सास ने कई बार कोतवाली पुलिस से शिकायत भी की लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं कीए जिससे विपक्षी के हौसले बढ़ रहे हैं। विपक्षी अमित दबंग किस्म का है जिस कारण उसे अपने परिवार के जान माल का भय बना हुआ है। पीड़िता ने घटना की लिखित तहरीर पुलिस को देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

आज होगा रोजगार मेले का आयोजन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि शासन के मंशानुसार बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु जिला सेवायोजन कार्यालयए हरदोई द्वारा निरन्तर रोजगार मेलों का आयोजन कराकर बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने का कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में विकास खण्ड.बालामऊ में सुभाष चन्द्र बोस गहाविधालयए गौसगंजए हरदोई में 29 अक्टूबर 2025 को प्रात: 10:00 बजे से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न क्षेत्र की कम्पनियों प्रतिभाग कर रही है। जो हाईस्कूलध्इण्टरमीडिएटए स्नातकए आई0टी0आई0 एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण आयु 18.35 वर्ष के पुरूष व महिला अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। कम्पनी मे आवेदन करने हेतु समस्त अभ्यर्थी विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन के उपरान्त साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। जिला सेवायोजन कार्यालय से आयोजित होने वाले रोजगार मेलों में कम्पनियो द्वारा चयन प्रक्रिया पूर्णत: नि:शुल्क होती है। इच्छुक अभ्यर्थी उक्त दिनॉक में समय प्रात: 10ण्00 बजे विकास खण्ड.बालानऊ में सुभाष चन्द्र बोस महाविधालय, गौसगंज,हरदोई में अपने समस्त प्रमाण.पत्रों आवेदन एवं रिज्यूम के साथ अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें और अवसर का लाभ उठायें। अभ्यर्थी चयन से पूर्व कम्पनी के नियम व शर्तें भली.भांति सगझ लें, जो कि उक्त वेवसाइट पर भी उपलब्ध है।

30 दिसम्बर को होगा निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन: प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने सूचित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार उ0प्र0 विधान परिषद के लखनऊ खण्ड स्नातक एवं लखनऊ खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसम्बर 2026 को समाप्त होने के कारण अर्हता 01 नवम्बर 2025 के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कार्यक्रम निम्नवत है।

श्री त्रिपाठी ने बताया कि फार्म 18 या 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 06 नवम्बर 2025ए पांडुलियों की तैयारी औरा आलेख्य निर्वाचन नामावलियों का मुद्रण 20 नवम्बर को कराया जायेगा और 25 नवम्बर को निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया जायेगा तथा दावे एवं आपत्तियां 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक दाखिल की जा सकेगी एवं 25 दिसम्बर को प्राप्त दावे व आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा और अनुपूरक सूची तैयार की जायेगी और 30 दिसम्बर 2025 को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। उन्होने कहा है कि उक्त कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया एवं दिशा.निर्देश के अनुसार तैयार करायी जायेगी। शिक्षक निर्वाचन में मतदाता बनने हेतु व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और उस निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य रूप से निवासी हैए निर्वाचक नामावली में शामिल होने का पात्र होने के लिए 01 नवम्बरए 2025 से तत्काल पहले छह वर्षो के अन्तर्गत कम से कम तीन वर्ष तक की अवधि के लिए राज्य के भीतर ऐसे विनिर्दिष्ट शैक्षणिक संस्थान में शिक्षण कार्य में लगा हो, जिसका स्तर माध्यमिक विद्यालय से कम न हो। स्नातक निर्वाचन में मतदाता बनने हेतु अर्हताएं.ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है, उस निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य रूप से निवासी है तथा 01 नवम्बर, 2025 से कम से कम तीन वर्ष पहले या तो भारत के राज्य क्षेत्र में किसी विश्वविद्यालय का स्नातक है अथवा समतुल्य अर्हता रखता है तो वह निर्वाचक नामावली में शामिल होने का पात्र है। तीन वर्ष की अवधि का परिकलन उस तारीख से किया जाएगा जब से विश्वविद्यालय या अन्य सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा अर्हक डिग्री परीक्षा का परिणाम घोषित और प्रकाशित किया गया था। शिक्षक हेतु फार्म.19 में एवं स्नातक हेतु फार्म.18 में आवेदन.पत्र सीधे पदाभिहीत स्थलों में जमा किया जाना होगा उक्त के अतिरिक्त आवेदक द्वारा वेबसाइट पर ऑन लाइन आवेदन भी किये जा सकते हैं।

प्रदूषित होती हवा बढ़ती बीमारियां

दीपावली बाद कई महानगरों और शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ गया। हवा में धुआं और धूल कितना खतरनाक होता है, यह तब पता चलता है जब बड़ी संख्या में लोग सांस की बीमारियों और फ़ेफड़े में रोग की वजह से अस्पताल पहुंचते हैं। आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी सामान्य बात है। मगर सबसे गंभीर बात यह है कि इसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। नतीजा कई बार लोग घातक रोग के भी शिकार हो जाते हैं। सबसे बड़ा खतरावायु प्रदूषण सबकोअपनी चपेट में लेता है। मगर बच्चे और बुजुर्ग इसकी जद में पहले आते हैं। अधिक उम्र के लोगों के फ़ेफड़े पर गंभीर असर पड़ता है। कई बार तो यह कैंसर के रूप में सामने आता है। दरअसल, प्रदूषण के दौरान वातावरण में मौजूद हानिकारक कण हमारे फ़ेफड़े में आकर जमा हो जाते हैं और ये कैंसर कोशिकाओं को बढ़ावा देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट के मुताबिक कई देशों में वायु प्रदूषण के कारण फ़ेफड़े के कैंसर का जोखिम बढ़ रहा है। हालांकि यह खतरनाक स्थिति धूम्रपान से भी पैदा होती है। मगर चिंता की बात यह है कि जो धूम्रपान नहीं करते, वे भी कम जोखिम में नहीं रहते। वायु प्रदूषण का असर फ़ेफड़े और आंखों पर ही नहीं पड़ता, यह दिल की सेहत को भी खतरे में डाल देता है। वातावरण में मौजूद रासायनिक कण श्वास नली के माध्यम से हृदय को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे दिल का दौरा पड़ने का जोखिम बढ़ जाता है। जहरीली हवा में मौजूद पीएम 2.5 और पीएम 10 का असर दिल के साथ मस्तिष्क पर भी असर डालता है। नतीजा ब्रेन स्ट्रोक का अंदेशा बढ़ जाता है। अगर कोई पहले से हृदय रोगी है, तो उन्हें सचेत हो जाना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता पर असर वायु प्रदूषण बहुत खामोशी से पूरे शरीर की प्रणाली पर असर डालता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घटने लगती है। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने पर बच्चों और बुजुर्गों के फ़ेफड़े की कार्यक्षमता घट जाती है। अगर कोई लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहता है, तो उसकी रोग से लड़ने की शक्ति कम होने लगती है। ऐसे में कई बीमारियां घेरने लगती हैं। तब कई लोग मौसम बदलने पर भी बीमार हो जाते हैं। घुटता दम गंभीर असर श्वसन तंत्र पर पड़ता है। आम तौर पर सांस लेने की दिक्कत इसी समय शुरू होती है। क्योंकि प्रदूषण की वजह से फ़ेफड़े तक जाने वाले वायु मार्ग में सूजन आ जाती है। सांस नलियों में संकुचन की वजह से पीड़ित व्यक्ति सांस लेने में दिक्कत महसूस करता है। ऐसे में 'क्रोनिक आब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज' (सीओपीडी) की समस्या पैदा हो जाती है। यह वही सांस संबंधी रोग है, जिसका सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण है। शहरों और महानगरों में इसके मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। चिंता का विषय यह है कि बड़ी संख्या में सीओपीडी रोगी अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। यह बीमारी होने पर रोगी सीने में जकड़न महसूस करता है। कई बार वह दर्द की भी शिकायत करता है। प्रायः इस तरह के रोगियों में बलगम बनता है। उन्हें खांसी भी लगातार होती है। वायु प्रदूषण से निपटना जहां एक बड़ी चुनौती है, वहीं इससे होने वाली बीमारियों से लड़ना और उसका उपचार कराना कोई आसान नहीं है। निरंतर बढ़ रहे प्रदूषण की वजह से हवा में घुलते जहर से बचने के लिए सभी लोगों को हरसंभव उपाय करना चाहिए। घर से जब भी निकलें, मास्क पहन कर निकलें। इससे प्रदूषक तत्त्वों को शरीर में जाने से पहले ही रोका जा सकता है। सड़कों पर निजी वाहनों से चलने के बजाय सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करना चाहिए। इससे कमरे का वातावरण स्वच्छ रखा जा सकता है। धूल और धुएं से जितना हो सके, बचना चाहिए। बाहर से लौटने पर गर्म पानी का भांप लेने से फ़ेफड़े को आराम मिलता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट के मुताबिक कई देशों में वायु प्रदूषण के कारण फ़ेफड़े के कैंसर का जोखिम बढ़ रहा है। हालांकि यह खतरनाक स्थिति धूम्रपान से भी पैदा होती है। मगर चिंता की बात यह है कि जो धूम्रपान नहीं करते, वे भी कम जोखिम में नहीं रहते। वायु प्रदूषण का असर फ़ेफड़े और आंखों पर ही नहीं पड़ता, यह दिल की सेहत को भी खतरे में डाल देता है। वातावरण में मौजूद रासायनिक कण श्वास नली के माध्यम से हृदय को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे दिल का दौरा पड़ने का जोखिम बढ़ जाता है। जहरीली हवा में मौजूद पीएम 2.5 और पीएम 10 का असर दिल के साथ मस्तिष्क पर भी असर डालता है।

भारत से नक्सलवाद समाप्ति की ओर

भूपेन्द्र भारतीय

पूर्वोत्तर भारत के आंचलिक क्षेत्रों को विकास से वंचित रखा व अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का लंबे समय तक प्रयास किया। बंगाल के एक छोटे से क्षेत्र से शुरू हुआ यह लाल आतंक जैसे ही बंगाल में सत्ता में आया, नक्सलवाद वहां से गायब हो गया। इससे यही प्रतीत होता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत में नक्सलवाद के नाम पर सत्ता हथियाने के लिए विदेशी ताकतों के सहारे नक्सली बंदूक व हिंसा के दम पर सत्ता पाना चाह रहे थे। वामपंथी समर्थकों को वनवासियों के विकास की चिंता नहीं, बल्कि अपनी विचारधारा को जीवित रखने की चिंता है। हिंसा के दम पर सत्ता व शक्ति प्राप्त करने वाली विचारधारा। नक्सलियों ने संविधान और न्यायिक व्यवस्था को निशाना बनाया, जनता अदालत' चलाकर समानांतर सत्ता कायम की। गवर्नेंस के अभाव में वहां विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य नहीं पहुंच पाया।

बिनय न मानत जलधि जड़ गए तीनि दिन बीति।
बोले राम सकोप तब भय बिनु होइ न प्रीति?

तीन दिन तक याचना करने के बाद भी जब समुद्र नहीं माना, तो श्रीराम को क्रोध आ गया और लक्ष्मण से बोले- बिना भय के प्रेम नहीं होता है। इसके बाद, उन्होंने समुद्र को सुखाने के लिए अग्नि बाण चलाने का निर्णय लिया और इसी के बाद समुद्र देव प्रकट हुए और क्षमा याचना की- श्रीराम के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यहां रामकथा से जुड़े इस महत्वपूर्ण प्रसंग की चर्चा इसलिए आवश्यक प्रतीत हुई क्योंकि भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र, खासकर छत्तीसगढ़, बंगाल, झारखंड, बिहार व उड़ीसा राज्य करीब पांच-छः दशकों से नक्सलियों, नक्सलवाद व अर्बन नक्सली विचारधारा से रक्तरंजित रूप से ग्रसित रहा है। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर आखिरकार वर्तमान मोदी सरकार को इस लाल आतंक के पर्याय को आत्मसमर्पण के लिए अंतिम रूप से चेताना पड़ा,ल्नक्सलियों के साथ कोई संघर्ष विराम नहीं होगा, केवल आत्मसमर्पण ही एकमात्र विकल्प है।ङ्क अब विनय की अंतिम सीमा समाप्त हुई। लाल सलाम के नाम से लाल आतंक का पर्याय वर्षों तक भारत को भीतर से खोखला करता रहा, यह नक्सलवाद आज आखिरी सांस गिन रहा है। भारत ने आजादी के बाद जितना विकास देखा, उतना ही इस लाल आतंक ने उसे भीतर से लहूलुहान किया। जिन भोले व प्रकृति पूजक वनवासी अंचलों में कभी जनजाति गीतों की गूंज होती थी, वहां बारुद की गंध हवा में तैरने लगी। नक्सलियों ने वनवासियों से कहा कि वे उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन असल में उन्होंने उन्हीं के जीवन से मूलभूत अधिकार छीन लिये। उनके बच्चों को बंदूक थमाई, महिलाओं को ढाल बनाया। शहरों में बैठे अर्बन नक्सलियों का इसमें सबसे बड़ा हाथ रहा है। इन्हीं अर्बन नक्सलियों ने शहरों के वातानुकूलित कमरों में बैठकर नक्सली आग को हवा दी और भारत के 17% भूभाग को लाल क्रांति के नाम पर छह दशक से लहुलुहान किया। पूर्वोत्तर भारत के आंचलिक क्षेत्रों को विकास से वंचित रखा व अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का लंबे समय तक प्रयास किया। बंगाल के एक छोटे से क्षेत्र से शुरू हुआ यह लाल आतंक जैसे ही बंगाल में सत्ता में आया, नक्सलवाद वहां से गायब हो गया। इससे यही प्रतीत होता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत में नक्सलवाद के नाम पर सत्ता हथियाने के लिए विदेशी ताकतों के सहारे नक्सली बंदूक व हिंसा के दम पर सत्ता पाना चाह रहे थे। वामपंथी समर्थकों को वनवासियों के विकास की चिंता नहीं, बल्कि अपनी विचारधारा को जीवित रखने की चिंता है। हिंसा के दम पर सत्ता व शक्ति प्राप्त करने वाली विचारधारा। नक्सलियों ने संविधान और न्यायिक व्यवस्था को निशाना बनाया, ?जनता अदालत' चलाकर समानांतर सत्ता कायम की। गवर्नेंस के अभाव में वहां विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य नहीं पहुंच पाया। हजारों बच्चे, बुजुर्ग व महिलाओं को अपने मूलभूत मानव अधिकारों से वंचित होना पड़ा। लेकिन मानव अधिकारों के पैरोकार वैश्विक संस्थाओं व संयुक्त राष्ट्र का इस ओर थोड़ा भी ध्यान नहीं गया, आश्चर्य का विषय रहा है। इस लाल सलाम से निपटने के लिए गत 11 वर्षों में वर्तमान केन्द्र सरकार के संकल्प, सुरक्षाबलों की समन्वित कार्रवाइयों और जनजातीय सहयोग से स्थिति बदली है। लाल आतंक के खात्मे के बाद सही मायनों में शांति तब आएगी, जब विकास व न्याय जन-जन तक पहुंचेगा। मोदी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। 70 के दशक की शुरुआत में नक्सलवाद और हथियारबंद विद्रोह की शुरुआत हुई। 1971 में स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे ज्यादा 3620 हिंसक घटनाएं हुईं और इसके बाद 80 के दशक में सबसे ज्यादा जनयुद्ध दल(पीपल्स वॉर ग्रुप) ने महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार और केरल तक विस्तार किया। 80 के दशक के बाद वामपंथी गुटों ने एक-दूसरे में विलय की शुरुआत की और 2004 में प्रमुख भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी) गुट का गठन हुआ एवं नक्सली हिंसा ने और गंभीर रूप ले लिया। एक समय पशुपतिनाथ (नेपाल) से तिरुपति (तमिलनाडु-आंध्रप्रदेश) पट्टी तक को 'लाल पट्टी' (रेड कॉरिडोर) कहा जाता था। 1960-2014 तक 66 अभेद्य पुलिस थाने बने थे, मोदी सरकार के 11 वर्षों में 576 और नए थाने बनवाए। 2014 में नक्सल प्रभावित जिले 126 थे जो अब घटकर 18 रह गए और इनमें से भी ज्यादा प्रभावित 36 जिलों में अब वर्तमान सरकार की निर्णायक कार्यवाही व ?भय बिनु होइ न प्रीति' नीति पर चलते हुए अब यह लाल सलाम वाली पट्टी सिर्फ गंभीर प्रभावित छः जिलों में ही सिमट गई है। जहां पहले की सरकारों के समय लाल आतंक के प्रति बिखरे हुए दृष्टिकोण से काम होता था, घटना-आधारित प्रतिक्रिया होती थी और कोई स्थायी नीति नहीं थी, एक प्रकार से सरकार की प्रतिक्रिया का नियंत्रण नक्सलियों के पास था। वर्तमान सरकार में गृहमंत्री के नेतृत्व में 2014 के बाद सरकार के अभियानों और कार्यक्रमों की कमान भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने अपने जिम्मे ली और यह एक बड़ा नीतिगत बदलाव है। विगत दिनों एक कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बिखरे दृष्टिकोण की जगह अब एकीकृत और दृढ़ नीति को अपनाया गया है। वर्तमान सरकार की नीति यह है कि जो हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, उनके लिए स्वागत है, लेकिन अगर कोई हथियार लेकर निर्दोष वनवासियों की हत्या करेगा तो सरकार का संवैधानिक धर्म है कि वह उन्हें बचाए और हथियारबंद नक्सलियों से कड़ाई से निपटे। इसी नई रणनीति के परिणाम है कि अब तक लाल सलाम की समस्या का 90 प्रतिशत समाधान होने पर है और पीछले दो वर्षों 2024 में 881 व 2025 में अब तक 1241 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। अब आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और निरंतर लाल सलाम की पट्टी समाप्ति की ओर है। जैसा कि साल 2014 में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब भारत सरकार ने संवाद, सुरक्षा और समन्वय- इन तीनों पहलुओं पर काम करने की शुरुआत की थी, इसके परिणामस्वरूप 31 मार्च , 2026 को भारत से हथियारबंद नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। श्रीराम के आदर्शों व संवैधानिक मूल्यों पर चलने वाली इस पवित्र भूमि पर रक्तरंजित लाल सलाम के लिए यह अंतिम दिवस होगा, हमें यही विश्वास है।

...जब मजहब राष्ट्र से बड़ा दिखाई देने लगे!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भगत सिंह की लड़ाई किसी समुदाय के लिए नहीं थी, वह पूरे भारतवर्ष की स्वतंत्रता के लिए थी। वे एक विचार का प्रतिनिधित्व करते थे; राष्ट्रनिर्माण का विचार, जिसमें मानवता सर्वोपरि थी। उन्होंने साम्प्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता का हमेशा विरोध किया। भगत सिंह ने अपने लेख सांप्रदायिक दंगे और उनका इलाज में लिखा था कि धर्म का इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए नहीं होना चाहिए। उनका विश्वास इस बात पर था कि देश तभी आगे बढ़ सकता है, जब इंसान को इंसान के रूप में देखा जाए, न कि मजहब की दृष्टि से। दूसरी तरफ, हमास एक ऐसा संगठन है जिसे दुनिया के अधिकांश राष्ट्र, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत भी शामिल हैं, एक आतंकी संगठन के रूप में जानते हैं। सात अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से ज?यादा निर्दोष नागरिक बंधक बनाए गए। जवाब में इजरायल ने गाजा पर सैन्य कार्रवाई की, जिसके कारण तब से अब तक अनेकों फिलिस्तीनियों की मौत और डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबरें हैं।

लोकतंत्र में विचारों की स्वतंत्रता नागरिकों का अधिकार है, किंतु यह अधिकार तब चिंता का विषय बन जाता है जब उसका प्रयोग राष्ट्रनायकों के अपमान या आतंक के महिमामंडन में बदल जाए। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में जो कहा, उसने यही चिंता फिर से सामने ला दी है। मसूद ने कहा कि हमास अपनी जमीन के लिए लड़ रहा है, जैसे भगत सिंह लड़े थे। पहली नजर में यह तुलना इतिहास और नैतिकता के साथ गंभीर खिलवाड़ है।

भगत सिंह की लड़ाई किसी समुदाय के लिए नहीं थी, वह पूरे भारतवर्ष की स्वतंत्रता के लिए थी। वे एक विचार का प्रतिनिधित्व करते थे; राष्ट्रनिर्माण का विचार, जिसमें मानवता सर्वोपरि थी। उन्होंने साम्प्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता का हमेशा विरोध किया। भगत सिंह ने अपने लेख सांप्रदायिक दंगे और उनका इलाज में लिखा था कि धर्म का इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए नहीं होना चाहिए। उनका विश्वास इस बात पर था कि देश तभी आगे बढ़ सकता है, जब इंसान को इंसान के रूप में देखा जाए, न कि मजहब की दृष्टि से। दूसरी तरफ, हमास एक ऐसा संगठन है जिसे दुनिया के अधिकांश राष्ट्र, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत भी शामिल हैं, एक आतंकी संगठन के रूप में जानते हैं। सात अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से ज्यादा निर्दोष नागरिक बंधक बनाए गए। जवाब में इजरायल ने गाजा पर सैन्य कार्रवाई की, जिसके कारण तब से अब तक अनेकों फिलिस्तीनियों की मौत और डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबरें हैं। ये सब हुआ तो हमास के कारण ही है। यह संघर्ष मानवीय त्रासदी में बदल चुका है, लेकिन इस सच्चाई को भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी आंदोलन से जोड़ना इतिहास का सरलीकरण और राष्ट्रीय भावना की अवमानना है। कहना होगा कि इमरान मसूद का बयान व्यक्तिगत राय नहीं लगती है; यह उस राजनीतिक सोच का हिस्सा लगता है जो हर मुद्दे को 'मजहबी दृष्टि' से देखने की प्रवृत्ति रखती है। जब कोई जनप्रतिनिधि 'हमास का दर्द' महसूस करता है लेकिन उन भारतीयों से असहमति रखता है जो उसे आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाते हैं, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि उसके लिए राष्ट्र प्रथम है या बिरादरी। यह पहली दफा नहीं है। कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा पहले भी सावरकर, पटेल और चंद्रशेखर आजाद जैसे नायकों को लेकर विवादित बयान दिए जा चुके हैं। आज के भारत में यह विमर्श इसलिए और महत्वपूर्ण है क्योंकि जब एक सांसद अपने शब्दों से इतिहास की गलत तुलना करता है, तो उसका असर सिर्फ राजनीतिक नहीं, वैचारिक भी होता है। यह युवा पीढ़ी के मन में भ्रम पैदा कर सकता है कि क्या हर संघर्ष आतंक बन सकता है, या क्या आतंक भी स्वतंत्रता संग्राम की तरह किसी नैतिक औचित्य का पात्र हो सकता है? हमें भूलना नहीं चाहिए कि भगत सिंह की क्रांति तर्क, अध्ययन और विचारशीलता पर आधारित थी। उन्होंने खूब पढ़ा और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ अपनी वैचारिक लड़ाई को बौद्धिक आधार दिया। जबकि हमास की हिंसा इस्लाम की मजहबी कट्टरता, असहिष्णुता और प्रतिशोध पर खड़ी है। इन दोनों के बीच तुलना करना वैसा ही है जैसे मशाल की लौ को बारूद की आग कहना; दोनों चमकते हैं, पर एक जीवन देता है और दूसरा नाश। संसद की शपथ लेते समय प्रत्येक सदस्य 'भारत की संप्रभुता और अखंडता' की रक्षा का वचन देता है। जब कोई जनप्रतिनिधि ऐसी तुलना करता है जो उस शपथ की भावना के विपरीत जाती है। एक सांसद के रूप में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद को इतना तो पता ही होना चाहिए। हमारे समय में जब नफरत और प्रचार राजनीति का उपकरण बन चुके हैं, तब ऐसे बयान हमें याद दिलाते हैं कि राष्ट्र और धर्म के बीच सही संतुलन बनाए रखना ही सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म है। भगत सिंह ने कहा था, ल्क्रांति की तलवार विचारों की सान पर तेज होती है।ङ्क आज जब कुछ नेता विचारों की जगह तुलना और उकसावे की राजनीति कर रहे हैं, तो राष्ट्र को यह तय करना होगा कि वह किन विचारों को अपनी सान बनाएगा। भारत के एतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव से जुड़े विचार उसके आदर्श होंगे या उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद जैसे नेताओं के द्वारा कहे वचन, जिन्हें इतना भी भान नहीं कि आतंकवादी संगठन की तुलना देशभक?त भारत के क्रांतिवीरों से नहीं की जा सकती है। अब कांग्रेस भी विचार करे कि वो कैसे लोगों को संसद में भेज रही है।

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिये चुनौती

ललित गर्ग

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है।

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस्-देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा। पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।आज भारत को यह मानना होगा कि ल्सुरक्षाङ्क अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

मंत्री के हस्तक्षेप से किसानों को बांटी गई डीएपी खाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पैलानी/बांदा। पैलानी तहसील अंतर्गत निवाईच साधन सहकारी समिति पैलानी में आज सुबह 6ः00 बजे से किसान भूखे प्यासे टोकन की आस में सहकारी समिति के गेट के पास खड़े हो गये। जब सुबह 8ः00 बजे नायब तहसीलदार जसपुरा वेद प्रकाश पहुंचे और 300 किसानों को टोकन बांटा, वही गड़रिया साधन सहकारी समिति के सचिव हरिशंकर दीक्षित जो अतिरिक्त में निवाईच गांव के साधन सहकारी समिति का चार्ज मिला है पहुंचकर भीड़ को देखते ही अपनी टीम सहित ताला लगाकर भाग खड़े हुए वहीं मौजूद किसानों ने जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद को सूचना दी वहीं मंत्री ने कमिश्नर डीएम के साथ एसडीएम पैलानी अंकित वर्मा को सूचना दी वही मौके पर पहुंचे तहसीलदार पैलानी राधेश्याम सिंह व नायब तहसीलदार जसपुरा वेद प्रकाश एवं प्रभारी निरीक्षक पैलानी राजेश कुमार वर्मा ने देखा तो ताला लगा हुआ था वहीं सचिव को गायब रहने पर फटकार लगाई तो सचिव ने बताया कि मैं जसपुरा में हूं वहीं तहसीलदार ने फटकार लगाते हुए तत्काल वापस आने को लेकर निर्देशित किया और करीब 3ः45 बजे पहुंचे सचिव ने ताला खोलकर तहसीलदार व प्रभारी निरीक्षक पैलानी की अगुवाई किसानों को खाद का वितरण किया गया वहीं जब इस संदर्भ में कमिश्नर अजीत कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उक्त सचिव ने टोकन किसानों को बांटकर ताला लगाकर गायब हो जाना गंभीर मामला है विभागीय जांच कराई जा रही है जांच के बाद कठोर कार्रवाई की जाएगी।बता दें इसके पूर्व भी किसने संजय सिंह शिव यादव आकाश शिवम रामबाबू मनोज रमेश दयाशंकर आदि आधा सैकड़ा किसानों ने तहसील में पहुंचकर खाद वितरित न किए जाने को लेकर शिकायत की थी लेकिन तहसील से कोई ठोस पहल न होने के बाद किसानों ने विभागीय अधिकारियों एवं कमिश्नर और जिलाधिकारी के साथ-साथ जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद को भी उक्त मामले से अवगत कराया। किसान सुंदर ,भोला, रामबाबू ,रमेश ,गणेश ,रोहित सिंह ,मोहित, संजय, संपत सुनैना ,फूल कली आदि ने कहा कि सुबह 6ः00 बजे से हम लोग पैलानी के साधन सहकारी समिति में बैठ गए थे और 3.30 बजने के बावजूद मंत्री रामकेश निषाद के हस्तक्षेप से हमको खाद मिल रहा है उन्होंने मंत्री का आभार जताया है।

ओवरलोड वाहनों पर करें प्रभारी कार्यवाहीः डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी ०रीभा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आम जन मानस को यातायात नियमों का पालन व हेलमेट/सीटबेल्ट का उपयोग करने हेतु जागरूक किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने महोबा प्रयागराज मार्ग के किनारे की झाड़ियों को हटाये जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश पुलिस एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों को दिये। उन्होंने प्रमुख चौराहों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने हेतु प्रमुख चौराहों में नुक्कड नाटक, रैली एवं सड़क सुरक्षा शपथ दिलाये जाने का आयोजन किये जाने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिये। उन्होंने जाम की स्थिति से निपटने हेतु चालकों द्वारा ई-रिक्शा का संचालन वन वे व्यवस्था के अनुसार कराये जाने के निर्देश दिये। पिपरहरी फतेहपुर मार्ग पर सड़क किनारे झाड़ी की सफाई तथा ग्राम मुंगुस के स्पीड ब्रेकर रिफलेक्टिव पेन्ट कराये जाने के निर्देश दिये।

भाजपा और चुनाव आयोग की मिली भगत से हो रही है धांधली : नसीमुद्दीन

● पूर्व मंत्री ने भाजपा सरकार पर किये तीखे प्रहार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी पूर्व मंत्री ने प्रेस वार्ता में मीडिया से रूबरू होते हुए राष्ट्रीय व प्रदेशीय एवं जनपदीय ज्वलंत समस्याओं के विषय में अपनी बात रखी उन्होंने कहा की वर्तमान सरकार कोई ना कोई नया सुगुफा छोड़ती है कभी सीएए तो कभी एनआरसी और कभी पुलवामा तो कभी पहलगाम कभी सर्जीकल स्ट्राइक के नाम पर अपनी पीठ वाहवाही करती हुई ।नजर आती है जबकि पहलगाम में 26 निर्दोष भारतीयों को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने मौत के घाट उतारा हमारी भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान से रात दिन युद्ध किया लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा युद्ध विराम की घोषणा की गई और मोदी सरकार ने उनके समक्ष सरेन्डर हो गई भाजपा एवं चुनाव आयोग की मिली भगत से अनेक प्रकार की धांधलिया की जा रही है अनेक मतदाताओं को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है जबकि माननीय राहुल गांधी ने अनेक ऐसे सबूत देश के सामने आयोग के समक्ष रखे लेकिन आयोग ने भाजपा के इशारे पर देशवासियों से झूठ बोला और बिहार चुनाव में करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए इसी प्रकार का अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है मतदाता जागरूक होकर अपने अधिकारों की रक्षा स्वयं करें अन्यथा एक समय वह आएगा कि उनको वोट देने का अधिकार भी चला जाएगा इसके साथ ही बांदा जिले की अनेक समस्याओं के विषय में कहा कि मैं अपने मंत्रित्व पद पर रहते हुए बांदा में मेडिकल कॉलेज ,केन नदी में तटबंध ,इंजीनियरिंग कॉलेज ,रिंग रोड जैसे अनेक काम किया गये लेकिन प्रदेश सरकार एवं जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा इसकी अनदेखी की जा रही हैऔर किसी भी दिशा में कार्य को आगे नहीं बढ़ाया गया केन नदी में बने तटबंध को अगर ध्यान ना दिया गया तो वह दिन दूर नहीं जब बांदा शहर में हजारों मकान डूब जाएंगे और अरबों की क्षति होगी उन्होंने कहा किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है जिससे उनके फैसले नष्ट हो रही है स्मार्ट मीटर के नाम पर विद्युत विभाग के लोग धन उगाही करने में लगे हुए हैं मनमाना बिल भेज कर संशोधन के नाम पर मोटी रकम वसूली जा रही है जनपद ही नहीं पूरे प्रदेश में दलित समुदाय एवं महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं सरकार इस दिशा में नाकाम है सरकार को चाहिए कि वह जिम्मेवारी ले और इस्तीफा दे साथ ही जन्म प्रमाण पत्र न बनने से हजारों की संख्या में स्कूलों में बच्चों का एडमिशन न हो पाना जुम्मे वार अधिकारियों की लापरवाही साफ नजर आ रही है बच्चों का भविष्य अंधकार में है अधिकारियों को चाहिए कैंप लगाकर जन्म प्रमाण पत्र बनाकर दें।

संक्षिप्त समाचार

मधुसूदन हुल्गी बने विशेष सचिव मुख्यमंत्री, अमित पाल नये डीएम कौशांबी

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फ़ेरबदल किया है। ट्रस्ट से पहले राज्य सरकार ने 46 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस बदलाव की सूची में कई जिलों के जिलाधिकारी शामिल हैं। कौशाम्बी के जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी का स्थानांतरण करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री के विशेष सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं, अमित पाल को कौशाम्बी का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। इसी क्रम में अन्य प्रमुख तबादलों में धनलक्ष्मी को डीजी मत्स्य, राजेश कुमार को मंडलायुक्त मिर्ज़ापुर, और प्रखर कुमार सिंह को सीडीओ वाराणसी नियुक्त किया गया है। नंद किशोर कलाल को गाजियाबाद प्राधिकरण का उपाध्यक्ष (वीसी) बनाया गया है, जबकि वंदिता श्रीवास्तव को सीडीओ कुशीनगर का कार्यभार सौंपा गया है। कृतिका ज्योत्सना को जिलाधिकारी बस्ती, और हाथरस के डीएम राहुल पांडे को विशेष सचिव, राज्य कर विभाग के पद पर भेजा गया है।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

बांदा। जसपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर से चौडगरा की ओर जाते समय रामपुर चौराहे में बैंक के पास युवक को तेज रफ्तार अनियंत्रित वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस व डायल 108 में काल कर सूचना दी। जिससे उपचार के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसपुरा ले जाया गया। जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार ग्राम नारायण बजरंग डेरा निवासी बलराम पुत्र कल्लू निषाद मोटर साईकिल से किसी काम के लिए चौडगरा की ओर जा रहा था। जिसे अज्ञात अनियंत्रित वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बलराम वहीं पर गिर पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना देने के अलावा डायल 108 एंबुलेंस को भी सूचना दी।

तेरा ब खदान में चल रहा 'गुण्डाराज'

बांदा। जनपद में लाल सोने की लूट थमने का नाम ही नहीं ले रही है। खदान शुरू होते हुए दबंगों अपना रसूख दिखाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों को असलहों के दम पर धमकाकर खुलेआम कानून को धता बताते हुए तेरा ब खदान में अवैध खनन का काला खेल शुरू हो गया। नरैनी तहसील क्षेत्र की महुटा के तेरा ब खदान में नदी की जलधारा में अवैध खनन का खेल जमकर जारी हैं प्रतिबंधित मशीनों से नदी का सीना छलनी करके खनन माफियाओं द्वारा खनन नीति की धज्जियां खुलेआम उड़ाई जा रही है। वहीं ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर खनन माफियाओं पर धमकी का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की है। जिलाधिकारी को भेजे पत्र में नरैनी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पथरा की ग्राम प्रधान श्रीमती ममता देवी निषाद ने बताया है कि पथरा की नदियों से वाहनों द्वारा जमकर अवैध खनन असलहों के बल पर किया जाता है। पूरी रात गांव वालों को लठैत बदमाशों द्वारा सोने नहीं दिया जाता। इतना ही नहीं अवैध असलहों से लैस बदमाशों के द्वारा ग्रामीणों को खुलेआम धमकाया भी जाता है।

मिशन शक्ति टीम ने रेलवे स्टेशन पर चलाया जागरूकता अभियान

बांदा। महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु पुलिस द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजना, सहायता सेवाओं आदि के बारे में जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है साथ ही साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में साइबर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में आज थाना कोतवाली नगर की मिशन शक्ति टीम द्वारा बांदा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी पुलिस ने पुलिस के साथ मिलकर यात्रियों को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, सहायता सेवाओं, महिला सुरक्षा सेवाओं व साइबर अपराधों आदि के बारे में जागरुक किया गया ।

भवंस मेहता विद्याश्रम में 29 हुआ 30 अक्टूबर को होगा एथलेटिक व कल्चरल मीट का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशांबी। भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी कौशाम्बी में भारतीय विद्या भवन, मुंबई के तत्वावधान में दो दिवसीय एथलेटिक मीट एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 29 एवं 30 अक्टूबर को किया जाएगा। इस आयोजन में भारतीय विद्या भवन से संबद्ध उत्तर भारत एवं पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न केंद्रों के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में जयपुर, पंचकूला, अमृतसर, अगरतला, प्रतापनगर, दिल्ली, रेनूकूट, कोलकाता, हल्दिया एवं चंडीगढ़ सहित देश के कई शहरों की टीमें भाग लेंगी। सभी प्रतिभागी छात्र अपने कोच एवं अध्यापकों के साथ भरवारी पहुंचेंगे। इन टीमों का सीधा मुकाबला भवंस मेहता विद्याश्रम, भरवारी के छात्रों से होगा। ज्ञात हो कि यह एथलेटिक मीट अब तक 13 बार विभिन्न राज्यों जैसे कोलकाता, जयपुर आदि में आयोजित की जा चुकी है, जिसमें भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी ने 7 बार ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया है। इस बार 14वीं एथलेटिक मीट का आयोजन भरवारी में किया जा रहा है।प्रतियोगिता का शुभारंभ 29 अक्टूबर की सुबह 9 बजे विद्यालय के निदेशक संदीप सक्सेना एवं प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। निदेशक संदीप सक्सेना एवं उप-प्रधानाचार्य सुधाकर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के सुचारू संचालन हेतु सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। देशभर से आयी सभी टीम विद्यालय के अतिथि गृह एवं हॉस्टल ठहरेंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

● गंभीर हालत में सीएचसी से जिला अस्पताल किया गया रेफर, रास्ते मे तोड़ा दम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ। नगर के पुरबिया टोला मोहल्ले में उस समय मातम छा गया, जब प्रसव के दौरान एक महिला की हालत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान जरीना उर्फ आफरीन (25) पत्नी सुल्तान निवासी पुरबिया टोला के रूप में हुई है। करीब पांच वर्ष पूर्व उसकी शादी सुल्तान से हुई थी। मंगलवार को जरीना को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे। वहां उसने एक नवजात बच्ची को जन्म दिया। लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। स्थिति गंभीर देखते हुए नर्सों ने उसे जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया। बताया जाता है कि परिजन एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जा रहे थे, तभी रास्ते में ही जरीना ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के मायके पक्ष के लोग बिलग्राम (हरदोई) से बांगरमऊ पहुंचे और कोहराम मच गया। परिजनों का आरोप है कि समय रहते उचित उपचार न मिलने से महिला की जान गई। वहीं नवजात बच्ची की हालत फिलहाल सामान्य बताई जा रही है।

मृतका के घर मातम का माहौल

जहां एक ओर बच्ची के जन्म की खुशी थी, वहीं मां की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थानीय लोगों ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य विभाग से जांच की मांग की है।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

नरैनी/बांदा। जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम द्वारा 10 अक्टूबर से 10 नवंबर तक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत पार्वती महिला महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं टेलीमानस नंबर 14416 से संबंधित कार्यशाला संपन्न कराई गई। कार्यशाला के पश्चात छात्राओं से प्रश्नोत्तरी कर उन्हें पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक एवं प्राचार्य उपस्थित रहे। क्लिनिकल साइकोलाजिस्ट डा रिजवाना हाशमी कार्यशाला में छात्राओं को बताया कि मानसिक विचार भोजन की तरह होता है सड़ा भोजन नकारात्मक विचार तथा ताजा भोजन सकारात्मक विचार की तरह होते हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

NER-LJN-2025-168

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है:- क्रम सं.01, ई-निविदा संख्या: NER-LJN-2025-168, कार्य का नाम:- पूर्वोत्तर रेलवे-लखनऊ मण्डल:-आरडीएसओ द्वारा जारी नवीनतम सुधार पर्चियों के साथ रेल और वेल्ड के लिये आरडीएसओ विनिर्देश अनुसार [illegible] आवधिक आवश्यकता के अनुसार रेल और वेल्ड का यूएसएफडी परीक्षण (यूएसएफडी मैनुअल-2022)। अनुमानित लागत (रू0): ₹ 45,25,371.26, अग्रिम धन (रू0): ₹ 90,500/-, समापन अवधि: 12 माह। (1) उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-2025-168 तक के लिये ई-निविदा दिनांक 14-11-2025 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेगी। (2) उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तें का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग, लखनऊ

गुआवि/बल्यू-313

गाड़ियों की छतों व पायदान पर असुरक्षित यात्रा न करें

जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता 30 अक्टूबर को

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश के दिशा-निर्देशन में जिला विज्ञान क्लब कौशांबी द्वारा 30 अक्टूबर को राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, कोइलहा में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर अपने मॉडल प्रस्तुत करेंगे। जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक वसीम अहमद ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति अभिरुचि, तार्किक क्षमता, कल्पनाशीलता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करना है। परिषद द्वारा जनपद, मंडल एवं राज्य स्तर पर चरणबद्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जनपद स्तर पर लगभग 100 मॉडल प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनका मूल्यांकन तकनीकी समिति द्वारा किया जाएगा। समिति द्वारा 15 मॉडलों का चयन मंडल स्तर के लिए किया जाएगा।

दबंगों ने 95 वर्षीय बुजुर्ग पर लगाया जमीन कब्जाने का आरोप

● परिजन बुजुर्ग को चारपाई पर लिटाकर पहुंचे एडीएम कार्यालय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशांबी। जिले के चायल तहसील क्षेत्र में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां गांव के ही कुछ दबंगों ने 95 वर्षीय बुजुर्ग पर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया। आरोपों से आहत परिजन बुजुर्ग को चारपाई पर लिटाकर एसडीएम कार्यालय पहुंच गये जिसे देखकर अधिकारी भी आश्चर्य जताया। मामला पिपरी थाना क्षेत्र के मखऊपुर गांव का है। यहां के निवासी जगपत यादव पुत्र स्व.जमुना प्रसाद उम्र 95 वर्ष ने आरोप लगाया है कि गांव के ही कुछ दबंग किस्म के लोग उनके बेटे द्वारा निर्माण कराई जा रही जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर उक्त दबंगों ने उल्टा बुजुर्ग जगपत यादव पर ही जमीन कब्जाने का आरोप लगाते हुए एसडीएम कार्यालय में शिकायत कर दी। शिकायत की जानकारी होते ही बुजुर्ग के परिजन बेटा करन सिंह यादव, बहू शकुन्तला देवी, व नाती सौरभ यादव, निशी यादव, पात्र यादव उन्हें चारपाई पर लिटाकर एसडीएम कार्यालय पहुंच गये। एसडीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित राजस्व अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिया है।

यातायात पुलिस ने वाहनों की गहन चेकिंग का चलाया अभियान

बांदा। यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित कराने तथा सड़क सुरक्षा एवं आपराधिक/ असामाजिक गतिविधियों की रोकथाम एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज यातायात पुलिस द्वारा बांदा शहर क्षेत्र में चारपहिया वाहनों में अवैध रूप से लगी काली फिल्म के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें चारपहिया वाहनों में अवैध रूप से लगी काली फिल्मों को हटवाया गया और वाहन चालकों को काली फिल्म के दुष्परिणामों व कानून प्रावधानों के बारे में जानकारी देकर जागरुक किया गया साथ ही भविष्य में किसी भी निजी या व्यावसायिक वाहनों पर मनमाने ढंग से काली फिल्म का प्रयोग न करने के लिए कड़ी चेतावनी भी दी गई ।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर लोक आस्था के महापर्व का व्रत परायण मनाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● महिलाओ द्वारा नाक से सिर तक सिंदूर चढ़ा कर पतियों की लम्बी उम्र की कामना की

शुक्लागंज। नगर गंगाघाट क्षेत्र के गंगा तट के विभिन्न घाटों पर आज सुबह 4 बजे से ही व्रतियों और की भीड़ जुटने लगी मान्यताओं के परिपेक्ष नैवेध्य से भरे टोकरे सर पर उठाये श्रद्धालुओं की भीड़ बड़ी संख्या घाटों पर बढ़ने लगी गंगा के तटो पर पर छठी मईया के पूजन के लिये बनी वेदीयों पर दीपक जला कर नैवेध्य अर्पित कर व्रतियों ने सूर्योदय के इंतजार में घुटनो तक जल में खड़े होकर आराधना करते उपासना में लीन कतारबद्ध नजर आये जब जैसे ही सूर्य देव की पहली किरण पडती श्रद्धालुओं में उत्साह भर जाता है और व्रतियों में भी नई ऊर्जा का संचार हो जाता है परिजनों द्वारा एक एक कर नैवेध्य के टोकरे उठाकर व्रतियों के हाथ में देकर गंगाजल और दूध से अर्घ्य देकर सुहागिन महिलाओ द्वारा नाक से सिर तक सिंदूर चढ़ा कर पतियों की लम्बी उम्र की कामना करती है क्योंकि छठी मईया की कोई प्रतिमा नहीं होती है और लोक मान्यताओं के अनुसार व्रतियों का साक्षात सूर्यदेव से सीधा जुड़ाव होता है।

इसीलिए कठिन व्रत करने वाली व्रती मातृशक्ति को ही छठी मईया का स्वरूप मान लोगो आशीर्वाद लेते है और ठेकुआ प्रसाद ग्रहण करते है सूर्य देव को अर्घ्य देकर व्रतियों ने व्रत परायण किया कई समाजसेवीयो द्वारा चाय वितरण के कैम्प भी लगाये गये थे जिनमे श्रद्धालुओं ने चाय विस्किट का आनन्द लिया वही लोकगीत गाते कलाकारों ने भी छठी मईया के लोकगीत व भजनो ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रंजना गुप्ता परिवार समेत लोक आस्था के पर्व में सहभागिता करती नजर आयी समाजसेवी वीरेन्द्र शुक्ला, गोल्डी गुप्ता,महेश निषाद,अरविन्द यादव विश्व हिन्दू परिषद,बजरंग दल के कार्यकर्ताओ ने भी उपस्थिति दर्ज कराई वही नगर कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह मय हमराह पूरे मेला स्थल की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते हुए मुस्तैद नजर आये कुछ व्रतियों की तबीयत बिगड़ी तो मौके पर खड़ी स्वास्थ्य विभाग की एम्बुलेंस ने तत्काल राहत एंव बचाव कार्य करते हुए बीमार को अस्पताल पंहुचाया नगर पालिका परिषद गंगाघाट और पुलिस प्रशासन उन्नाव व जिला प्रशासन उन्नाव के सराहनीय संयुक्त प्रयास से सफल छठ पूजा मेला आयोजन ने बरबस सभी श्रद्धालुओं को आकर्षित किया नमामि गंगे घाट आनन्द घाट से मिश्रा कालोनी घाट तक दूधिया रोशनी से सजे घाट जगमगा रहे थे खोया पाया कैम्प में कई बच्चो को उनके परिजनों से मिलाया।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 19.11.2025 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुअल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या : 01102025 dated 27.10.2025
2	निविदा संख्या : 22-Sr.DEN-IV-LKO-2025-26
3	कार्य का नाम : वरि. मण्डल इंजीनियर-चतुर्थ-लखनऊ के अधिकार क्षेत्र में सहायक मण्डल इंजीनियर-प्रथम/सुलतानपुर और सहायक मण्डल इंजीनियर-द्वितीय/सुलतानपुर के खण्ड के अंतर्गत लेवल क्रॉसिंग के इंटरलॉकिंग के संबंध में एलसी संख्या 12/सी, 26/सी, 30/सी, 80/सी, 90/सी, 101/एसी, 167/सी, 175/सी, 184/सी और 189/सी (कुल = 10) पर एसएसडी सिग्नलिंग का प्रावधान।
4	अनुमानित लागत : रु. 1,06,11,502.56
5	धरोहर राशि : रु. 2,03,100.00
6	कार्य की समापन अवधि : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह माह।
7	निविदा डालने की प्रारंभ तिथि : 05.11.2025
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 19.11.2025 at 15:00 hrs.
9	वेबसाईट : www.ireps.gov.in

नोट- निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 3339/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि 17.11.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे, यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	01092025 दिनांक 27.10.2025			
2	निविदा संख्या	1	22-DEN-V-LKO-2025-26	2	23-DEN-V-LKO-2025-26
		3	24-DEN-V-LKO-2025-26		
3	कार्य का नाम	1	लखनऊ मंडल में दो वर्ष की अवधि के लिए विशेष निविदा शर्तों के अनुसार सम्पूर्ण हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, रिपोर्ट तैयार करना, जनशक्ति और अन्य संबद्ध सेवाओं आदि के प्रावधान सहित जीपीएस आधारित व्यक्तिगत ट्रैकिंग प्रणाली द्वारा अनुरक्षक/गश्ती दल की ट्रैक निरीक्षण/गश्ती गतिविधि की प्रभावी निगरानी के लिए कार्य की आउटसोर्सिंग।		
		2	डीईएन-भूमि/एलकेओ के तहत लखनऊ मंडल में एडीईएन-II/एलकेओ और एआईसी के अधिकार क्षेत्र में रेलवे भूमि का कम्प्यूटरीकृत सुधार (सीओपी)/म्यूटेशन अर्थात सभी राजस्व अभिलेखों (खसरा, खतौनी और सजरा मानचित्र) में रेलवे भूमि के क्षेत्र का सुधार और स्टेशन और रेलवे कॉलोनी क्षेत्र आदि के बीच स्टेशन के लिए भूमि योजना को अपलोड करना, मिलान करना, प्रमाणित करना और कम्प्यूटरीकृत करना। (प्रा. स. 169-2025)		
		3	सभी प्रकार के भूमि उपयोगों का जीआईएस मानचित्रण करना और तैयार करना, भारतीय रेलवे की परिसंपत्तियों को सर्वेक्षण ग्रेड जीपीएस हैंड हेल्ड डिवाइस/सैटेलाइट इमेज/ड्रोन का उपयोग करके आईआर-जियोपोर्टल पर मैप किया जाना चाहिए, जिसमें अतिक्रमण, कृषि उपयोग, अधिक खाद्यान्न उगाने के लिए ग्रो मोर फूड क्षेत्र और रेलवे भूमि पर वाणिज्यिक उपयोग के लिए चिन्हित खाली रेलवे भूमि को जियो टैगिंग आदि के साथ उपयुक्त डिवीजन में डीईएन-लैंड/एलकेओ के तहत दर्शाया जाना चाहिए। (प्रा. स. 173-2025)		
4	अनुमानित लागत	1	रु. 80,74,487.30	2	रु. 44,44,347.00
		3	रु. 11,84,000.00		
5	धरोहर राशि	1	रु. 1,61,500.00	2	रु. 88,900.00
		3	रु. 23,700.00		
6	कार्य की समापन अवधि	1	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 24 माह।		
		2 से 3	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह।		
7	निविदा डालने का प्रारंभ	03.11.2025			
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	17.11.2025 at 15:00 hrs.			
9	वेबसाईट	www.ireps.gov.in			

नोट:- 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 3341/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सत्रहवें गोपाष्टमी महोत्सव में 500 से अधिक बच्चों ने लिया गौरक्षा संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्री धर्मादा समिति गौशाला के सात दिवसीय गोपाष्टमी महोत्सव के पंचवें दिन विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य कल्याण समिति गोला के सह आयोजन में गौ रक्षा संकल्प कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि राज राजेश्वर सिंह अध्यक्ष पूर्व सैनिक कल्याण समिति,विशिष्ट अतिथि सुखविंदर सिंह टोनी प्रमुख सेवादार गुरुद्वारा गोला,शत्रोहन मिश्रा नगर अध्यक्ष भाजपा, राजेन्द्र सोनी शिक्षक के द्वारा गौ पूजन किया गया। गोपाष्टमी महोत्सव के आयोजक नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू एवं समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह ,अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके बाद मुख्य अतिथि भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति अध्यक्ष राज राजेश्वर सिंह ने बच्चों को गौ रक्षा का संकल्प दिलवाते हुए कहा गौ बहुउपयोगी है इसलिए हम गौ माता का पूजन करते है, सदैव गौ माता की सेवा करनी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि गुरुद्वारा गोला के प्रमुख सेवादार सुखविंदर सिंह टोनी ने कहा गाय को खुला नही छोड़ना चाहिए। भाजपा नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा ने कहा गौ माता की हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका है। मोदी-योगी सरकार ने गौ संरक्षण के लिए गौ सेवा आयोग का गठन किया है। गोपाष्टमी महोत्सव के आयोजक/ नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा गौ माता की सेवा एवं आशीर्वाद से मुझे बहुत कुछ मिला है। हमें सिंगल यूज पालीथीन का प्रयोग नही करना चाहिए।क्योंकि इसको जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है तथा गौ माता के खा लेने से बीमार हो जाती है।मै सभी सहयोगी संगठनों के साथ आगंतुक अतिथियों का मैं आभार व्यक्त करता हूँ।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य कल्याण समिति एवं नगरपालिका के अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ,प्रांतीय महामंत्री शैलेन्द्र सक्सेना, प्रांतीय कोषाध्यक्ष अनुज खरे,प्रांतीय मीडिया प्रभारी श्याम किशोर अवस्थी,सरस्वती विद्या निकेतन प्रधानाचार्य महेन्द्र त्रिपाठी, अवधेश मिश्रा, संजय तिवारी,अरविन्द श्रीवास्तव,डी पी श्रीवास्तव, अवनीश मिश्र,इंजीनियर मिलिन्द शुक्ला ,राम अवतार यादव, रविन्द्र कटियार, सुनील शर्मा, आकाश अवस्थी, विमलेश वर्मा, अविनाश गुप्ता, काके सहगल, अमित गुप्ता, मनोज बाथम सहित अनेक गौ सेवक उपस्थित रहे।

छब्बीस घंटे बाद गंगा में मिला डूबे किशोर का शव, परिवार में मचा कोहराम

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के निफरा गांव में सोमवार को डूबे किशोर का शव 26 घंटे की मशक्कत के बाद मंगलवार की सुबह गंगा नदी से बरामद हुआ। शव घाट से ढाई से तीन सौ मीटर उत्तर दिशा में तैरता हुआ मिला। शव दिखने पर नाव सवारों के शोर मचाने मौके पर मौजूद एसडीआरएफ टीम ने उसे कब्जे में ले लिया। निफरा गांव निवासी 15 वर्षीय ओम पांडेय, अपने भाई सोम पांडेय और दो अन्य किशोरों व एक युवक के साथ सोमवार को निफरा घाट पर स्नान करने गया था। स्नान के दौरान पांचों दोस्त गहरे पानी में चले गए, जिससे सभी डूबने लगे। तो पास से गुजर रही नाव के नाविकों ने तीन किशोरों को तो बचा लिया, लेकिन ओम पांडेय और अनुराग सरोज गंगा की तेज धारा में बह गए। खोजबीन के दौरान सोमवार शाम अनुराग सरोज का शव बरामद हो गया था, जबकि ओम का कोई पता नहीं चल सका था। मंगलवार सुबह गुलौरी से निफरा की ओर आ रही मोटरबोट पर बैठे यात्रियों ने उतराया शव देखकर पुलिस को सूचना दी। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां और पिता दिनेश चंद्र पांडेय का रो-रोकर बुरा हाल है।

कोतवाली सदर पुलिस ने दो वारण्टी अभियुक्तों को दबोचा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत कोतवाली सदर पुलिस ने दो वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सदर के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने मंगलवार को श्रवण पुत्र रामनरेश निवासी सफियापुर और हीरालाल पुत्र रामनरेश निवासी बन्नी, दोनों थाना कोतवाली सदर जनपद खीरी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त श्रवण के विरुद्ध मुकदमा संख्या 47/2003 धारा 33 एफ एक्ट थाना गोला तथा हीरालाल के विरुद्ध मुकदमा संख्या 68/2002 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रजनीश त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल अनिल जायसवाल, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र तोमर तथा कांस्टेबल गौरव पाठक शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वांछित वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान निरंतर जारी रहेगा।

खबर चलने के बाद भी नहीं दिखा असर, वन विभाग कर रहा लीपा-पोती

धौरहरा खीरी। धौरहरा, ईसानगर, वन रेंज धौरहरा में अवैध कटान का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। विभागीय कर्मचारियों की जानकारी में यह सबकुछ होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही।दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को इस अवैध कटान से संबंधित खबरें प्रसारित की गई थीं, लेकिन उसके बावजूद न तो किसी जांच के आदेश दिए गए और न ही कोई कार्रवाई की गई। इस संबंध में जब वन क्षेत्र अधिकारी नृपेंद्र चतुर्वेदी से बात की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि विभाग के कुछ कर्मचारियों द्वारा भ्रष्ट गतिविधियाँ की जा रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वन दरोगा नरेंद्र सिंह, जो शीघ्र ही सेवानिवृत्त होने वाले हैं, से संबंधित शिकायतें मिली हैं। अब सवाल उठता है कि यदि कुछ ही दिन सेवा में शेष हैं, तो क्या इसका अर्थ यह है कि उन्हें जंगल काटने की खुली छूट मिल गई है? यह पर्यावरण के साथ सीधा खिलवाड़ है। जानकारी के अनुसार, जांच के दौरान नरेंद्र सिंह द्वारा एक आम और एक शीशम का पेड़ आरा मसीन के प्रांगण में पाया गया, जिसके आधार पर केस दर्ज करने की बात कही गई। जबकि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मौके पर लगभग 100 क्विंटल आम और 40 क्विंटल शीशम की लकड़ी पड़ी हुई थी। इसके बावजूद विभागीय कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

गोपाष्टमी महोत्सव के छठवें दिन गौ माता को स्नान कराकर किया गया पूजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोपाष्टमी महोत्सव के छठवें दिन उन्नकिसेस कोचिंग संस्थान एवं पैरमाउण्ट कोचिंग संस्थान के संयोजन में मुख्य अतिथि भूतपूर्व सैनिक के0जी0 त्रिवेदी ,विशिष्ट अतिथि किसान नेता श्रीकृष्ण वर्मा ने कोचिंग संस्थान के कार्यकर्ताओं के साथ गौ माता को स्नान कराकर पूजन-आरती की।इसके बाद उपस्थितिजनों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि के0जी0 त्रिवेदी ने कहा कि,'' *गौ माता की सेवा करने का सौभाग्य पुण्य कर्मों से मिलता है। विशिष्ट अतिथि किसान नेता श्रीकृष्ण वर्मा ने कहा गौ माता बहुउपयोगी है। गोपाष्टमी महोत्सव आयोजक/नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने आगंतुक अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित कर आभार व्यक्त किया। गौ स्नान में पटेल सुशील वर्मा, विनीत भदौरिया, डा0 पियूष शुक्ला, धीरज बाजपेयी, सतीश वर्मा, सुनील बाजपेयी, विनोद गौतम, शैलेन्द्र सक्सेना, संजय लाला,राजेश कुमार अग्निहोत्री, संजीव दीक्षित, आशतोष मिश्रा, रविन्द्र कटियार, लवकुश अवस्थी आदि गौ सेवक मौजूद रहे।

छठ पर्व की तैयारियों में जुटा रहा मैलानी, घाटों पर किये गये थे सजावट और सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। आदर्श नगर पंचायत मैलानी में इस वर्ष भी छठ पर्व की तैयारियां पूरे हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति महेश्वरी पति समाजसेवी भवानी शंकर महेश्वरी के सहयोग से वार्ड संख्या 7 स्थित काली मंदिर परिसर छठ घाट का सुंदरीकरण कराया गया था। नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति महेश्वरी ने बताया कि प्रातः 4:00 बजे अर्घ्य अर्पण के बाद श्रद्धालुओं के लिए फलाहार की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिसका संचालन समाजसेवी भवानी शंकर महेश्वरी द्वारा किया गया था।

नगर पंचायत प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था, सफाई, पेयजल एवं सुरक्षा प्रबंध के विशेष इंतज़ाम किए गये थे। अध्यक्ष कीर्ति महेश्वरी ने कहा कि नगर पंचायत का प्रयास था कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और यह पावन पर्व श्रद्धा, आस्था और सौहार्द के वातावरण में सम्पन्न हो। सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से थाना प्रभारी बृजेश मौर्य अपनी टीम सहित मौके पर मौजूद रहे। नगर पंचायत के कर्मचारी, सभासद तथा स्थानीय नागरिक भी आयोजन की तैयारियों में सक्रिय रूप से सहयोग किया। वहीं, थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत सलामतनगर एवं ग्राम पंचायत सुआ बोझ में भी श्रद्धालुओं ने छठ माता की पूजा-अर्चना कर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया और पूरे उत्साह के साथ पर्व मनाया गया।

छठ पूजा पर डॉक्टर कौशल वर्मा ने दी शुभकामनाएं, बांटे फल

अजान खीरी। लोक आस्था के दिव्य और भव्य पावन पर्व छठ पूजा के मौके पर मंगलवार की सुबह छोटी काशी गोला के शिव मंदिर स्थित पौराणिक सरोवर पर पहुंचकर छठी मैंया की पूजन अर्चन में लगी महिलाओं को सनशाइन हॉस्पिटल के संचालक जाने माने समाज सेवी एवं भाजपा नेता डॉक्टर कौशल वर्मा ने शुभकामनाएं दी हैं। पूजन स्थल तीर्थ सरोवर पर पारंपरिक परिधानों में बड़ी संख्या में मौजूद महिलाओं को उनकी टोकरी में डॉ कौशल वर्मा ने विभिन्न प्रकार के फल प्रदान किए हैं। व्रती महिलाओं ने छठी मैंया से पुत्रों और पतियों के लिए मंगल कामना की है। व्रत तोड़ने के उपरांत स्टाल लगाकर जलपान भी कराया गया। डॉक्टर कौशल ने कहा कि सभी त्योहारों से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। त्योहारों को आपस में मिलजुल कर मनाया जाना चाहिए। त्योहारों से अनेकता में एकता और विविध सांस्कृतिक भाव विकसित होता है। त्योहार आपसी एकता सद्भाव, सौहार्द, प्रेम और भाईचारा को बढ़ावा देते हैं। इस मौके पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनुज सिंह व ज्ञान चंद वर्मा, अमित शाह यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, प्रभात बाजपेयी रूद्र, नयन बाजपेयी, अभिषेक वर्मा, सुमित वर्मा, प्रभात वर्मा, आनंद अर्कवंशी एडवोकेट, विशाल बाजपेयी, आदि लोग मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत महिला मोर्चा सम्मेलन सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत आज गोला नगर में महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती कल्पना तिवारी रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती अर्पण जायसवाल, तथा उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सुजीता कुमारी ने सम्मेलन में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम में महिला मोर्चा की सभी पदाधिकारी, कार्यकर्त्ताएँ एवं नगर की अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अतिथियों ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु संचालित योजनाओं की जानकारी दी और अधिक से अधिक महिलाओं को इन योजनाओं से लाभान्वित होने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। सम्मेलन के सफल आयोजन में स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्त्ताओं का सराहनीय योगदान रहा।

नवीन गान्ना पेराई सत्र शुरू करने से पूर्व हवन पूजन के साथ बॉयलर में अग्नि प्रज्वलित की गई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आगामी गन्ना पेराई सत्र शुरु करने से पूर्व बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल गोला में मंगलवार को बायलर पूजन कर अग्नि प्रज्वलित की गयी। इस अवसर पर इंजीनियरिंग हेड के के तिवारी ने बताया की चीनी मिल का मरम्मत कार्य पूरा हो चुका है।

किसानों की सुविधा का ध्यान रखते हुए नवंबर के प्रथम सप्ताह से पेराई सत्र प्रारंभ कर दिया जाएगा। जिससे कि खेतों में खड़ा पेडी गन्ना समय से मिल को आपूर्ति हो तथा खेत खाली होने से उचित समय पर गेहूं की बुवाई कर सकें ।साथ ही मिल चालू होने से किसानों को औने -पौने दामों पर गन्ना कोल्हुओं पर नहीं बेचना पड़ेगा ।श्री तिवारी ने कहा किसानों का अपना पूरा गन्ना मिल में बिकने से उनके बेसिक कोटा में वृद्धि होती है तथा सरकार द्वारा निर्धारित गन्ना मूल्य की प्राप्ति होती है इस अवसर पर मुख्य रूप से इंजीनियरिंग हेड के के तिवारी,ए के पांडेय,पु सी गुप्ता, खुशहाल सिंह, संदीप कटियार मनीष द्विवेदी,रितेश दुवे सहित काफी संख्या मे अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गोचर भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत

हाथरस। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रतिनिधिमण्डल ने मंगलवार को उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर गोचर भूमि से कब्जा हटवाने की मांग की है। इसमें गुतहरा गांव की गोचर और चारागाह भूमि पर हुए अवैध निर्माण को हटाने की मांग की गई है। आरोप है कि ग्राम पंचायत गुतहरा, तहसील सादाबाद में कुछ लोगों द्वारा गोचर भूमि पर कब्जा कर लिया गया है। इस अतिक्रमण के कारण गोसेवकों ने अपना आक्रोश व्यक्त किया है। गोसेवक राहुल उपाध्याय, योगेश कुमार सिंह, आशुतोष अग्रवाल, पंकज मित्तल, गो रक्षक दिव्यांश शर्मा, नितिन वर्मा और दीपक वर्मा ने एसडीएम मनीष चौधरी को दिए ज्ञापन में कहा है कि उक्त मजार को तुरंत हटाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न होने पर गोसेवकों के साथ-साथ हिंदू समाज के अन्य लोगों में भी आक्रोश फैल सकता है। एसडीएम मनीष चौधरी ने बताया कि उन्हें ज्ञापन मिल चुका है। इस मामले में लेखपाल और राजस्व निरीक्षक से विस्तृत जानकारी मांगी जा रही है।

आरोपितों के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा क्षेत्र के ग्राम रीवन के बाहर खेतों में मिले महिला के शव की घटना के 24 घंटे बीतने के बाद भी शिनाख्त नहीं हो सकी है। मंगलवार को कोतवाली पुलिस ने चौकीदार की सूचना पर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर घटना की गहनता से जांच पड़ताल कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि, कोतवाली क्षेत्र मौदहा के ग्राम रीवन करहिया मार्ग पर गांव के समीप खेतों पर सोमवार की शाम एक महिला का अर्धनग्न शव पड़ा देख ग्रामीणों में हड़कम्प मच गया था। आरोपितों ने मृतका की पहचान मिटाने के लिए उसके चेहरे को जलाने का प्रयास किया था। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने ग्राम रीवन के चौकीदार सुखनंदन की सूचना पर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर घटना की गहनता से छानबीन करते हुए मृतक महिला की शिनाख्त कराने के प्रयास के साथ-साथ आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। इस मामले में कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है, जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

पुलिस ने दहेज हत्या के आरोपित को किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपित को कछवां थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर को रमावती बिंद निवासी मोहनभिट्टी थाना धीना, जनपद चंदौली ने थाना कछवां में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी पुत्री की उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग को लेकर हत्या कर दी है। तहरीर के आधार पर कछवां थाना पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना शुरू की।

पुलिस की पैरवी से अपहरण के आरोपित को दस वर्ष की कठोर कारावास की सजा

प्रयागराज। उप्र पुलिस विभाग द्वारा अपराधियों को सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे आपरेशन कन्वेशन के तहत प्रयागराज के मेजा पुलिस की प्रभावी पैरवी से अपहरण मामले में न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रयागराज ने आरोपित को दस वर्ष की कठोर कारावास से दण्डित किया। यह जानकारी पुलिस आयुक्त यमुनापार विवेक चन्द्र यादव ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज जिले के मेजा थाना क्षेत्र के बकचून्दा निवासी जंगबहादुर पुत्र भूवर आदिवासी के खिलाफ 18 अप्रैल वर्ष 2013 में धारा 363, 266, 376 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

डरावने सपनों के खौफ से 11वीं के छात्र ने लगाई फांसी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। कोहना थाना क्षेत्र अंतर्गत 11वीं के एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब घटनास्थल का जायजा लिया। तो मौके से उन्हें छात्र के मोबाइल में सुसाइड नोट बरामद हुआ। जिसमें लिखा था प्लीज चेक माय नोटिफाईड - मैं काफी समय से परेशान चल रहा हूं। सपने में मुझे तीन से चार लोग देखते हैं। जो लगातार कह रहे हैं कि अपने घरवालों को मार डालो या खुद ही मर जाओ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की पड़ताल में जुट गई है।

पुराना कानपुर इलाके में रहने वाले आलोक मिश्रा अपनी पत्नी दिव्या, बेटी मान्या और बेटे आरव (16) के साथ रहते हैं। मृतक द जैन इंटरनेशनल स्कूल में 11वीं का छात्र था। पिता ने बताया कि बीते कुछ दिनों से उसे डरावने सपने आ रहे थे। उसने अपनी बहन से इस बात का ज़िक्र करते हुए बताया था कि उसे डरावने सपने आते हैं। जिसमें उसे तीन से चार लोग दिखाई देते हैं। जो बार-बार उससे बोल रहे हैं कि अपने घर वालों को मार डालो, नहीं तो खुद ही मर जाओ। पीड़ित आलोक के करीबी संजय पांडेय ने बताया कि वह जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के भांजे हैं। छठ पूजा में शामिल होने के लिए छात्र के माता-पिता भागलपुर गए थे। जबकि बड़ी बहन विश्वविद्यालय गई थी। आरव घर मे अकेला था। मंगलवार की दोपहर जब बहन वापस लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक गेट पीटने पर भी नहीं खुला तो उसने पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी। जब दरवाजा तोड़कर देखा गया तो सभी के होश उड़ गए। आरव का शव फांसी के फंसे से झूल रहा था।

भाजयुमो के सम्मेलन में युवाओं ने लिया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प

- बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अमेठी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वावधान में युवा सम्मेलन का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय, गौरीगंज में हुआ। इस कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवबीर सिंह भदौरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मनिर्भर भारत का विज़न युवाओं के लिए नई दिशा और ऊर्ज़ा प्रदान करता है। आज का युवा अपने आत्मविश्वास और नवाचार के बल पर देश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन युवाओं को हर क्षेत्र में नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र सेवा का अवसर दे रहा है। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला एवं क्षेत्रीय मंत्री युवा मोर्चा पवन पाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विशुव मिश्रा ने की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में युवाओं ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न को जन-जन तक पहुँचाने का प्रण लिया। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह, जिला मंत्री प्रभात शुक्ला, सह-मीडिया प्रभारी अरुण मिश्रा, पूर्व विधायक चंद प्रकाश मिश्र मटियारी, सूर्य नारायण तिवारी, अभिषेक चंद्र कौशिक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय सूर्यकुमार की फॉर्म पर रहेगी निगाह

एजेंसी

कैनबरा। पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में फॉर्म में लौटने की कोशिश करेंगे। दोनों टीम ने अपने पिछले 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से आठ जीते हैं और एक-एक मैच हारे हैं, इसलिए मुकाबला बराबरी का होने की उम्मीद है। भारत का एक मैच टाई रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। सूर्यकुमार का रन नहीं बना पाना टीम के लिए चिंता का विषय हो सकता है लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी बेहतर

खेल दिखाने के लिए वह प्रतिबद्ध होंगे। सूर्य कुमार के कप्तान बनने के बाद भारतीय टीम ने निर्भीक क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी है। यही वजह है कि उनकी कप्तानी में भारत ने अब तक जो 29 मैच खेले हैं उनमें से 23 में उसे जीत मिली है। किसी भी कीमत पर आक्रामकता बनाए रखना और सूर्या के नेतृत्व कौशल के दम पर भारत ने सभी द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में जीत हासिल की है और वह हाल में एशिया कप जीतने में भी सफल रहा था। ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला अगले साल की शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए भारत की वास्तविक तैयारी की शुरुआत है, जिसमें उसे 15 मैच खेलने हैं। लेकिन यह कहा जा सकता है कि इस श्रृंखला के परिणाम का कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले 10 मैच घरेलू परिस्थितियों में खेले जाएंगे। अच्छी बात यह है कि विश्व कप भी इसी तरह की परिस्थितियों में आयोजित किया जाएगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्या का खुलकर समर्थन किया और उनका मानना है कि कप्तान का लगातार कम स्कोर पर आउट होना चिंता का विषय नहीं है। सूर्यकुमार हालांकि बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। सूर्यकुमार यादव ने 2023 में 18 पारियों में लगभग 156 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और पांच अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने 2024 में 151 के स्ट्राइक रेट से 450 से थोड़ा कम रन बनाए, लेकिन 2025 में अब तक भारतीय कप्तान 10 पारियों में 11 रन प्रति मैच की औसत से केवल 100 रन ही बना पाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 105 से अधिक है जिससे यह पता चलता है कि भले ही उन्हें रन बनाने में संघर्ष करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने अपनी आक्रामक रणनीति को पूरी तरह से नहीं छोड़ा है। सूर्यकुमार ने मनुका ओवल में श्रृंखला से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''मुझे लगता है कि मैं सचमुच कड़ी मेहनत कर रहा हूं। ऐसा नहीं है कि मैं पहले कड़ी मेहनत नहीं कर रहा था। मैंने स्वदेश में अच्छा अभ्यास किया और इसलिए मैं अब अच्छी स्थिति में हूं। टीम अलग-अलग परिस्थितियों में आपसे क्या उम्मीद रखती है यह अधिक महत्वपूर्ण है।''

भारत को क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में सुधार करना चाहिए : सूर्यकुमार

एजेंसी

कैनबरा। भारतीय टी 20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ज़ोर देकर कहा है कि भारत को क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में सुधार करना चाहिए। इन दिनों भारत के क्षेत्ररक्षण अभ्यासों में एक ख़ास तरह का उत्साह दिखाई देता है। इस अभ्यास में, ''माहौल'' शब्द का इस्तेमाल अक्सर, और हमेशा एक ख़ास उद्देश्य के साथ किया जाता है। इसका उद्देश्य एक ऐसी ऊर्जा का निर्माण करना है जो इतनी संक्रामक हो कि वह टीम को खेल के सबसे नीरस दौर से भी उबार सके। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ''1 बनाम 2'' टी20 सीरीज़ से पहले, कैनबरा में भारत के वैकल्पिक सत्र में यह उत्साह फिर से स्पष्ट दिखाई दिया। क्षेत्ररक्षण, खासकर कैचिंग, उन कुछ क्षेत्रों में से एक रहा है जहाँ भारत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपनी सर्वोच्च रैंकिंग की बराबरी करने के लिए संघर्ष करता रहा है। हाल ही में हुए एशिया कप के दौरान भी, जहां उन्होंने बिना कोई मैच हारे जीत हासिल की, क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा। इसका एक कारण दुबई में रिंग-ऑफ-फायर लाइट्स भी हो सकता है, लेकिन 12 कैच छूटने ऽ जो किसी भी टीम द्वारा सबसे ज़्यादा हैं ऽ ने एक अन्यथा प्रभावशाली अभियान पर एक दाग लगा दिया। 2025 की शुरुआत से, भारत की कैचिंग दक्षता 82.7% है और पूर्ण सदस्यों में यह केवल पांचवां स्थान है। कप्तान सूर्यकुमार यादव इस संख्या में सुधार करने के लिए दृढ़ हैं क्योंकि उनकी टीम अगले साल अपने टी20 विश्व कप खिताब की रक्षा करने की तैयारी कर रही है। सूर्यकुमार ने मंगलवार को कहा, ''मेरे हिसाब से, कैच छूटेंगे ही। अगर आप फील्डर हैं, तो कैच लेने की कोशिश करेंगे, कैच छूटेगा ही। ठीक वैसे ही जैसे अगर आप बल्लेबाज हैं, तो आउट होंगे। या अगर आप गेंदबाज हैं, तो आप सही जगह पर गेंद डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन विकेट नहीं ले पायेंगे। ये सब खेल का हिस्सा हैं। लेकिन मेरे हिसाब से, उसके बाद आप क्या करते हैं, यह ज़्यादा महत्वपूर्ण है। आज एक वैकल्पिक सत्र था। लेकिन आज सभी फील्डिंग करने आए। इसका मतलब है कि टीम वाकई कुछ खास करने की दिशा में काम कर रही है। और यह एक ऐसा विभाग है जिसके बारे में मैंने कहा है कि अगर हमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फील्डिंग इकाई बनना है, तो हमें कड़ी मेहनत करनी होगी। आप देखिए कि कितनी टीमें अच्छे कैच पकड़ती हैं, अच्छी फील्डिंग करती हैं, फील्डिंग के दम पर मैच जीतती हैं। तो अगर बल्लेबाजी हल्की हो या गेंदबाजी थोड़ी-बहुत हो, लेकिन फील्डिंग में, अगर आप एक चीज सही करते हैं, तो आप मैच जीत सकते हैं। इसलिए हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

श्रेयस अय्यर की हालत स्थिर, आईसीयू से बाहर

एजेंसी

सिडनी। भारतीय क्रिकेटर श्रेयस अय्यर की हालत में सुधार के संकेत मिले हैं। डॉक्टरों ने आज पुष्टि की है कि अब उनकी हालत स्थिर है और उन्हें सिडनी के एक अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान मैदान पर लगी गंभीर चोट के कारण आंतरिक रक्तस्राव के बाद 30 वर्षीय श्रेयस अय्यर को अस्पताल ले जाया गया था। अय्यर को यह चोट फील्डिंग के दौरान लगी थी जब उन्होंने एलेक्स कैरी का शानदार कैच लेने के लिए पीछे की ओर डाइव लगाई थी। इस चोट के कारण उनकी बाईं पसली के नीचे गंभीर चोट आई, जिससे आंतरिक रक्तस्राव हुआ और शरीर के महत्वपूर्ण अंगों के काफी करीब चोट लगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने ड्रेसिंग रूम में लौटने पर अय्यर के महत्वपूर्ण मापदंडों में उतार-चढ़ाव के बाद तुरंत कार्रवाई की और उन्हें पास के एक अस्पताल ले जाया गया। बीसीसीआई ने कल एक बयान जारी कर अय्यर की चोट की प्रकृति और गंभीरता की पुष्टि की। बयान में कहा गया है, ''श्रेयस अय्यर को 25 अक्टूबर 2025 को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय बाईं पसली के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। उन्हें आगे की जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। स्कैन से पता चला है कि उनकी तिल्ली में कट लग गया है। उनका इलाज चल रहा है, उनकी हालत स्थिर है और वे अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। बोर्ड ने यह भी पुष्टि की है कि भारतीय टीम के डॉक्टर अय्यर की दैनिक प्रगति पर नजर रखने के लिए सिडनी में उनके साथ रहेंगे।

मेसी की नजर 2026 फीफा वर्ल्ड कप पर, उम्र और फिटनेस के बावजूद खेलने की जताई उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों में उम्मीद जताई है कि वे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेलते नजर आ सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी उम्र और फिटनेस ही यह तय करेगी कि वह अर्जेंटीना के लिए 2022 का खिताब बचाने उतरेंगे या नहीं। मेसी अगले साल जून में 39 वर्ष के हो जाएंगे, लेकिन उन्होंने हाल ही में इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया है। यह इस बात का संकेत है कि वह अभी संन्यास के बारे में नहीं सोच रहे। मीडिया से बातचीत में आठ बार के बैलों डी' ओर विजेता मेसी ने कहा, ह्लवर्ल्ड कप में खेलना कुछ असाधारण होता है और मैं उसमें शामिल होना पसंद करूंगा। मैं चाहता हूं कि मैं वहां रहूं,

फिट रहूं और टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकूं। लेकिन मैं अगले साल प्री-सीज़न शुरू होने पर अपनी स्थिति का आकलन करूंगा और तभी अंतिम फैसला लूंगा। मेसी ने आगे कहा, ह्लहम पिछला वर्ल्ड कप जीत चुके हैं और अब उसे मैदान पर बचाने का मौका मिलना शानदार होगा। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह अपने देश के लिए वर्ल्ड कप खेले और मेरे लिए भी यह हमेशा एक सपना रहा है। मेसी ने अपने 20 से अधिक वर्षों के पेशेवर करियर में बार्सिलोना, पेरिस सेंट-जर्मेन और अब इंटर मियामी के लिए खेला है। 2023 में एमएलएस में शामिल होकर उन्होंने अमेरिकी फुटबॉल लीग में नई जान फूंक दी – खासतौर पर तब, जब उत्तर अमेरिका अगले साल वर्ल्ड कप की मेज़बानी करने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंबे समय तक खिताब से वंचित रहने के बाद मेसी ने 2021 कोपा अमेरिका और फिर 2022 कतर विश्व कप जीतकर अपने करियर को नई ऊंचाई दी। उन्होंने फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट (4-2) से हराकर अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया। मेसी ने कहा, वह मेरे जीवन का सपना था। पेशेवर स्तर पर वही एक चीज़ थी जो बाकी रह गई थी, क्योंकि मैंने क्लब और व्यक्तिगत स्तर पर लगभग सब कुछ हासिल कर लिया था। अब तक 195 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 114 गोल दाग चुके मेसी अगर 2026 में खेलते हैं, तो यह उनका छठा फीफा विश्व कप होगा, जो फुटबॉल इतिहास में एक और अनोखी उपलब्धि होगी।

संक्षिप्त समाचार

होप, पॉवेल और गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज को 16 रनों से जीत दिलाई

चटगांव। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में 16 रनों की शानदार जीत के साथ शुरुआत की। कप्तान शाई होप (46) और रोवमैन पॉवेल (44) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मेहमान टीम ने 3 विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और फिर बांग्लादेश को 19.4 ओवर में 149 रनों पर ऑल आउट करके इस स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, विंडीज के बल्लेबाजों ने सतर्क शुरुआत की और पहले दो ओवरों में केवल छह रन ही बना पाए। एलिक अथानाज़े को दो बार जीवनदान मिला - पहला तब जब बांग्लादेश ने उन्हें डायरेक्ट हिट से रन आउट करने का मौका गंवा दिया और फिर जब उनका गलत शॉट सर्कल के ठीक बाहर सुरक्षित रूप से जा गिरा। तस्कीन अहमद अपने दूसरे ओवर में बेकाबू साबित हुए और उन्होंने तीन वाइड फेंकी और तीन चौके खाए जिससे वेस्टइंडीज को शुरुआत में ही बढ़त मिल गई। सलामी बल्लेबाजों ने 59 रनों की साझेदारी की, लेकिन नौवें ओवर में रिशाद हुसैन की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में अथानाज़े बोल्ड हो गए। वेस्टइंडीज ने अगले दोनों ओवरों में एक-एक छक्का लगाया, जिसके बाद मुस्तफिजुर रहमान ने एक कड़ा ओवर फेंका। इसके बाद मेहमान टीम को दोहरा झटका लगा जब तस्कीन ने 13वें ओवर में लगातार गेंदों पर ब्रैंडन किंग और शेरफ़ेन रदरफोर्ड को आउट कर दिया। कप्तान होप ने अगले ओवर में रिशाद की गेंद पर लगातार दो छक्के लगाकर अपनी टीम की जीत की लय बनाए रखी और इसी के साथ वेस्टइंडीज के लिए एक अहम साझेदारी की शुरुआत हुई। बांग्लादेश ने बाउंड्रीज पर लगाम लगाई और दबाव बनाया, जिसका नतीजा यह हुआ कि रोवमैन पॉवेल ने शॉर्ट थर्ड मैन पर तन्ज़ीम साकिब को मौका दिया, लेकिन साकिब ने उसे टपका दिया। यह बांग्लादेश के लिए बहुत महंगा साबित हुआ क्योंकि पॉवेल ने अंतिम ओवर में चार छक्के लगाकर अपनी लय हासिल कर ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए, बांग्लादेश ने तन्ज़िद हसन के साथ पहले ओवर में अकील हुसैन की गेंद पर एक छक्का और एक चौका लगाकर सकारात्मक शुरुआत की। हालाँकि, वह ज़्यादा देर तक नहीं टिक पाए और अगले ही ओवर में जेडन सील्स ने उन्हें आउट कर दिया। बांग्लादेश के लड़खड़ाने से पहले कुछ देर तक रन बने। पावरप्ले में उन्होंने तीन और विकेट गंवा दिए - लिटन दास, सैफ हसन और शमीम हुसैन - जिससे उनकी लक्ष्य की दौड़ जल्दी ही पटरी से उतर गई और पहले छह ओवर के बाद उनका स्कोर 42/4 हो गया। वेस्टइंडीज ने मुकाबले पर अपनी पकड़ बनाए रखी, जबकि बांग्लादेश लड़खड़ाता रहा, लेकिन नौवें ओवर में नूरुल हसन के रूप में एक और विकेट गंवा दिया। फ्लडलाइट गुल होने के कारण खेल में थोड़ी देरी हुई, जिसके बाद मेहमान टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा। सील्स ने 12वें ओवर में तौहीद हृदय को आउट कर दिया, जो उस समय तक एकमात्र बल्लेबाज थे जिन्होंने तब तक कोई प्रतिरोध किया था। जब साकिब और नसुम अहमद क्रीज पर थे, तब बांग्लादेश ने कुछ देर के लिए वापसी की। साकिब ने 14वें ओवर में रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर एक छक्का और दो चौके जड़े, जबकि नसुम ने अगले ओवर में पियरे की गेंद पर एक चौका और एक छक्का जड़ा।

रणजी ट्रॉफी के तीसरे राउंड में मुंबई के लिए खेलेंगे जायसवाल

मुंबई। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल 1 नवंबर से शुरू हो रहे अगले दौर के रणजी ट्रॉफी 2025-26 मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। मुंबई की टीम इस दौर में जयपुर में राजस्थान के ख़िलाफ एलीट ग्रुप डी मुकाबला खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद जायसवाल ने साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले खुद को मैच फिट रखने की इच्छा जताई है। यह बीसीसीआई के उस निर्देश के अनुरूप है जिसमें सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को उपलब्ध होने पर घरेलू प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, जायसवाल ने अपनी उपलब्धता मुंबई चयन समिति के अध्यक्ष संजय पाटिल को बता दी है। पाटिल और उनकी चयन समिति मंगलवार को समाप्त हो रहे वर्तमान दौर के बाद राजस्थान के ख़िलाफ मैच के लिए टीम का चयन करेंगे। अगर जायसवाल खेलते हैं तो यह मई में टीम के प्रति पुनः प्रतिबद्धता जताने के बाद मुंबई के लिए उनकी वापसी होगी। उन्होंने पहले गोवा के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) मांगा था। उन्होंने आख़िरी बार मुंबई के लिए जम्मू-कश्मीर के ख़िलाफ़ बीकेसी ग्राउंड पर खेले गए ग्रुप मैच में हिस्सा लिया था। ये वही मैच था जिसमें रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चर्चित रणजी वापसी की थी। जायसवाल की पिछली घरेलू उपस्थिति अगस्त में थी, जब उन्होंने बेंगलुरु में हुए दलीप ट्रॉफी में वेस्ट ज़ोन की ओर से खेला था। मुंबई ने इस सीजन की शुरुआत जम्मू-कश्मीर के ख़िलाफ़ जीत से की थी, लेकिन छत्तीसगढ़ के ख़िलाफ घरेलू मैच में बारिश ने उन्हें निर्णायक जीत हासिल करने से रोक दिया।

रियल एस्टेट में विदेशी एवं स्थानीय कंपनियों का संयुक्त निवेश जुलाई-सितंबर तिमाही में छह गुना बढ़ा:रिपोर्ट

नयी दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच जोखिम से बचने के लिए विदेशी निवेशक अब भारतीय रियल एस्टेट में निवेश करने के लिए स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी कर रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रियल एस्टेट सलाहकार वेस्टियन के आंकड़ों के अनुसार जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उनका सह-निवेश 6.6 गुना होकर 72.658 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2025 के दौरान विदेशी कंपनियों से प्रत्यक्ष निवेश 68 प्रतिशत घटकर 14.069 करोड़ अमेरिकी डॉलर रह गया जो एक साल पहले इसी अवधि में 43.647 करोड़ डॉलर था। इसमें कहा गया कि कैलेंडर वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के दौरान विदेशी एवं घरेलू कंपनियों द्वारा संयुक्त निवेश बढ़कर 72.658 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 10.976 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। घरेलू कंपनियों ने जुलाई-सितंबर 2025 के दौरान सीधे 89.222 करोड़ डॉलर का निवेश किया जो एक साल पहले की इसी अवधि में 41.455 करोड़ डॉलर से दो गुना से अधिक वृद्धि दर्शाता है।

भारत 257 गीगावाट के साथ चौथा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्ज़ा उत्पादक: प्रह्लाद जोशी

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि भारत, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश है और इसकी क्षमता 257 गीगावाट है जो 2014 के 81 गीगावाट से तीन गुना अधिक है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन सभा के 8वें सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि भारत की सौर क्षमता 2014 में 2.8 गीगावाट से बढ़कर आज 128 गीगावाट हो गई है। उन्होंने कहा, '' भारत अब नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश है। नवीकरणीय ऊर्जा 2014 की 81 गीगावाट से बढ़कर आज 257 गीगावाट है। जोशी ने बताया कि सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता 2014 में दो गीगावाट से बढ़कर वर्तमान में 110 गीगावाट हो गई है। इसी तरह सौर सेल निर्माण भी शून्य से बढ़कर 27 गीगावाट हो गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से 50 प्रतिशत क्षमता के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान लक्ष्य को समय सीमा से पांच वर्ष पहले ही हासिल कर लिया। मंत्री ने कहा कि भारत के नवीकरणीय ऊर्ज़ा शुल्क, चाहे वह सौर ऊर्ज़ा हो, 'सोलर-प्लस-बैटरी' हो या हरित अमोनिया हो, विश्व स्तर पर सबसे कम हैं। ''यह स्वच्छ ऊर्ज़ा को किफायती बनाने के लिए गति और कौशल को संयोजित करने की देश की क्षमता को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्ज़ा एजेंसी ने भारत के दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्ज़ा बाजार बनने का अनुमान लगाया है। जोशी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्ज़ा एजेंसी भारत को ऊर्ज़ा परिवर्तन की एक महाशक्ति मानती है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में भी भारत शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों में बना हुआ है। उन्होंने कहा कि वास्तव में जी-20 देशों में भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसने 2030 के नवीकरणीय ऊर्ज़ा लक्ष्यों को 2021 में ही हासिल कर लिया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ा मंत्री ने कहा, '' हम जलवायु परिवर्तन को कम करने के वैश्विक प्रयासों में लगातार अग्रणी बने रहे हैं। बिजली उत्पादन क्षमता में वृद्धि के मामले में भारत पिछले पांच वर्ष में विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे कम प्रति व्यक्ति उत्सर्जन और सबसे कम प्रति व्यक्ति ऊर्ज़ा खपत वाले देशों में से एक होने के नाते स्वच्छ ऊर्ज़ा परिवर्तन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता वास्तव में उल्लेखनीय है। मंत्री ने उल्लेख किया कि वैश्विक सौर ऊर्ज़ा अब 1,600 गीगावाट से अधिक हो गई है और कुल नवीकरणीय उत्पादन का करीब 40 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, '' फिर भी प्रगति असमान बनी हुई है।

सरकार नीलामी ढांचे के भीतर भूमिगत कोयला गैसीकरण के विशिष्ट प्रावधान लाएगी

नयी दिल्ली। सरकार पहली बार खदानों की बिक्री के आगामी 14वें दौर में नीलामी ढांचे के भीतर भूमिगत कोयला गैसीकरण के विशिष्ट प्रावधान लाएगी। सरकार का लक्ष्य जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए 2030 तक 10 करोड़ टन कोयले का गैसीकरण करना है। भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) देश के गहरे कोयला भंडार के संसाधनों का दोहन करेगा, जिन्हें पारंपरिक तरीकों से खनन नहीं किया जा सकता। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी का 14वां दौर बुधवार को शुरू होगा। इस नये कदम से आयातित प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में निवेश, तकनीकी प्रगति और रोजगार सृजन के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। नीलामी के दौरान पूरी तरह से अन्वेषित और आंशिक रूप से अन्वेषित कोयला ब्लॉक की एक नयी श्रृंखला को पेश किया जाएगा।

एआईसीएफ की वार्षिक आम बैठक में 2030 ओलंपियाड की बोली लगाने और विवादास्पद मुद्दों पर चर्चा होगी

एजेंसी

चेन्नई। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) की गोवा में होने वाली बहुप्रतीक्षित वार्षिक आम बैठक में कुछ विवादास्पद मुद्दों के अलावा, 2030 शतरंज ओलंपियाड की भारत द्वारा मेजबानी और अन्य अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। आमतौर पर, एआईसीएफ की वार्षिक आम बैठक जून में होती है, लेकिन इस बार यह 30 अक्टूबर को गोवा में होगी, जहां फिडे विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। पता चला है कि लेखापरीक्षित खातों को वार्षिक आम बैठक की सूचना और कार्यसूची के साथ सदस्यों को वितरित नहीं किया गया है। कार्यसूची के विषयों में से एक 2030 शतरंज ओलंपियाड और अन्य अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए रुचि पत्र आमंत्रित करना है। 44वां शतरंज ओलंपियाड 2022 में चेन्नई में आयोजित किया गया था, और अब विश्व कप गोवा में आयोजित किया जा रहा है। भारत ने इस वर्ष नई दिल्ली में एक अन्य अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट, फिडे महिला ग्रां प्री सीरीज - पांचवें चरण की भी मेजबानी की। यह अलग बात है कि एआईसीएफ ने हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप की दयनीय परिस्थितियों पर आँखें मूंद लीं। हालाँकि, वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के एजेंडे में प्रमुख घरेलू टूर्नामेंटों के लिए खेल की स्थिति में सुधार की बात नहीं की गई है। एजीएम के एजेंडे में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के मामलों पर भी चर्चा की गई है। कुछ साल पहले, सीसीआई ने एआईसीएफ के खिलाफ फैसला सुनाया था। सीसीआई ने शतरंज खिलाड़ियों पर लगाई गई कुछ शर्तों को अवैध माना था। सीसीआई ने एआईसीएफ पर वित्तीय जुर्माना भी लगाया था।

स्पाइसजेट के बेड़े में शामिल हुआ एक और बोइंग 737 विमान, एक ग्राउंडेड विमान सेवा में वापस

नयी दिल्ली। किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट के बेड़े में एक और बोइंग 737 विमान शामिल हो गया है। एयरलाइंस ने मंगलवार को बताया कि इसके अलावा उसका एक बोइंग 737 मैक्स जो परिचालन से बाहर था, फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार हो गया है। इन दो विमानों के साथ इस महीने एयरलाइन के बेड़े में कुल पांच विमान शामिल हो गये हैं, जो विंटर शेड्यूल में उड़ानों की संख्या बढ़ाने की कंपनी की रणनीति में महत्वपूर्ण है।दोनों विमानों ने अब वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है। स्पाइसजेट ने इससे पहले इसी महीने दो बोइंग 737 और एक वाइड-बॉडी एयरबस ए340 विमान को शामिल कर अपने बेड़े का विस्तार किया था।

भारतीय दवा एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सितंबर तिमाही में 3.5 अरब डॉलर के सौदे हुए: रिपोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय दवा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में इस साल जुलाई-सितंबर तिमाही में 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के कुल 72 सौदे हुए। ग्रांट थॉर्नटन भारत के डीलट्रैकर के अनुसार, इसमें 42.8 करोड़ डॉलर मूल्य के तीन आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और 8.8 करोड़ डॉलर मूल्य का एक पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) शामिल है। ग्रांट थॉर्नटन भारत ने बयान में कहा कि सार्वजनिक बाजार गतिविधियों को छोड़कर 68 लेनदेन में निजी सौदों का मूल्य तीन अरब डॉलर रहा। यह उछाल 2.6 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के सात उच्च मूल्य सौदों के कारण हुआ।

इसमें कहा गया कि इस तिमाही का सबसे उल्लेखनीय सौदा टोरेंट

फार्मा द्वारा जेबी केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स में 46 प्रतिशत हिस्सेदारी का 1.4 अरब डॉलर में अधिग्रहण रहा। इससे उच्च वृद्धि वाले चिकित्सीय खंडों और 'क्रोनिक केयर' बाजारों में इसकी स्थिति मजबूत हुई। ग्रांट थॉर्नटन भारत के साझेदार भानु प्रकाश कलमथ एस. जे. ने कहा, '' तीसरी तिमाही में सौदों ने जोर पकड़ा जो क्षमता और नवाचार-आधारित निवेश के स्वस्थ मिश्रण से प्रेरित रहे। उन्होंने कहा कि रणनीतिक समेकन द्वारा समर्थित औषधि एवं जैव प्रौद्योगिकी में गति, भारत की जीवन विज्ञान क्षमता में बढ़ते विश्वास का संकेत है। विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) परिदृश्य में 2025 की तीसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में गतिविधियां बढ़ीं। इसमें 2.5 अरब डॉलर मूल्य के 36 सौदे हुए जो पिछली तिमाही की तुलना में 57 प्रतिशत अधिक है। निजी इक्विटी (पीई) के मोर्चे पर स्वास्थ्य सेवा एवं औषधि क्षेत्र ने 2025 की तीसरी तिमाही में 42.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के 32 सौदे देखे। यह पिछली तिमाही की तुलना में मात्रा के लिहाज से तीन प्रतिशत की गिरावट और मूल्य के हिसाब से 27 प्रतिशत की कमी है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने किया डाला छठ का समापन

■ भोर से ही व्रती महिलाएं और उनके परिजन घाटों पर पहुंचे,समूह में भगवान सूर्यदेव और छठी मइया का पूजन अर्चन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व डाला छठ मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही संपन्न हुआ। काशीपुराधिपति की नगरी वाराणसी में तड़के भोर से ही व्रती महिलाएं अपने परिजनों संग गंगा और वरूणा नदी के घाटों पर पहुंच गईं। ईख, दीपक और दउरा में सजी पूजन सामग्री के साथ जब श्रद्धालु घाटों पर जुटे तो पूरा वातावरण भक्ति, संगीत और श्रद्धा से सराबोर हो उठा। सुबह होते-होते दशाश्वमेध, अस्सी, पंचगंगा और सामने घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। उगते सूर्यदेव का इंतजार करतीं व्रती महिलाएं 'उग हो सूरुज देव भइल अरघ के बेर', 'पुरुबे से उगले नारायण' जैसे पारम्परिक गीतों से वातावरण गुंजायमान करती रहीं। जैसे ही पूरब दिशा में लालिमा फैली, श्रद्धालुओं के जयघोष और आतिशबाजी से पूरा गंगाघाट क्षेत्र गूंज उठा। व्रती महिलाओं ने अर्घ्य अर्पण कर भगवान सूर्य और छठी मइया से परिवार की सुख-समृद्धि, वंशवृद्धि और मंगल की कामना की। अर्घ्य के बाद श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को प्रसाद बांटकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। गंगा तटों के साथ-साथ वरूणा नदी, शहर के सरोवरों, तालाबों और ग्रामीण अंचलों के जलाशयों में भी श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। छठ पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। एनडीआरएफ की टीमों, जल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने घाटों पर पूरी सतर्कता बनाए रखी। एसएसपी समेत पुलिस-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भोर से ही शास्त्री घाट, राजघाट, गाय घाट, भैसासुर घाट, मणिकर्णिका, त्रिलोचन और सिंधिया घाट सहित प्रमुख स्थलों पर गश्त करते रहे। धर्म और आस्था की नगरी काशी में सोमवार की शाम छठ महापर्व का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। गंगा तट के सभी घाट आस्था से ओतप्रोत लाखों व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं से पटे रहे। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद भी हजारों व्रती महिलाएं घाटों पर ही रुकी रहीं और पूरी रात खुले आसमान के नीचे छठ माता की आराधना में लीन रहीं। बारिश और ठंड के बावजूद व्रती महिलाओं की श्रद्धा डिगी नहीं। लगभग 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखी महिलाओं ने भजन-कीर्तन करते हुए रातभर रात्रि जागरण किया। मंगलवार की भोर में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर उन्होंने अपने व्रत का समापन किया। इसके बाद ही वे घर लौटी। छठ मईया और सूर्यदेव के प्रति व्रतियों की अटूट आस्था ने न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं को, बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी अभिभूत कर दिया। घाटों पर पहुंचे विदेशी पर्यटक महिलाओं ने व्रती महिलाओं के साथ सेल्फी लेते हुए इस अनोखे धार्मिक अनुष्ठान के क्षणों को कैमरे में कैद किया। इस दौरान काशी के गंगाघाटों अस्सी, दशाश्वमेध, राजघाट और अन्य घाटों पर छठ के गीतों की गूंज और दीपों की रोशनी ने पूरे वातावरण को भक्ति और आस्था से आलोकित कर दिया था।

उगते भास्कर को अर्घ्य देकर चार दिन से चल रहे छठ महापर्व का व्रतियों ने किया समापन, पुलिस ने किया सुरक्षा के कड़े इंतजाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गौतम बुद्ध नगर। उगते भास्कर को अर्घ्य देकर छठ पूजा के चौथे दिन व्रतियों ने अपने व्रत का समापन किया। इसी के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास भी खत्म हो गया। व्रती महिलाएं ने नदियों, तालाबों, कृत्रिम पोखर के जल में डुबकी लगाकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। और अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और जीवन में ऊर्जा की कामना की। इस अवसर पर गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए थे। आज सुबह से ही पुलिस के अधिकारी विभिन्न घाटों पर भ्रमणशील रहे। सबसे ज्यादा भीड़ ओखला बैराज पर रही। इसके अलावा यहां के विभिन्न सेक्टरों,गांवो और सोसाइटियों मे बनाए गए कृत्रिम घाटों पर छठ व्रतियों नों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने व्रत को संपूर्ण किया। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद द्वारा एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ला व एसीपी प्रथम नोएडा प्रवीण कुमार सिंह के साथ छठ पूजा पर्व के दृष्टिगत आज नोएडा जोन के अंतर्गत छठ पूजा स्थलों का निरीक्षण किया गया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पूजा स्थलों के आस-पास साफ सफाई की विशेष व्यवस्था करायी गयी है, उनके द्वारा संयोजको के साथ वार्ता करते हुये सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है। सभी आने-जाने वाले श्रद्धालुओं हेतु ट्रैफिक व्यवस्था के पुख्ता बन्दोबस्त किये गये है। नोएडा जोन में सुरक्षा के दृष्टिगत यमुना नदी के घाट पर गोताखोर व एम्बुलेंस की व्यवस्था की गयी है। सभी श्रद्धालुओं द्वारा छठ पूजा पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उनके द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को ब्रीफ करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये एवं पीआरवी व पीसीआर वाहनों को लगातार भ्रमणशील रहने हेतु निर्देशित किया गया। वहीं ग्रेटर नोएडा जोन के पुलिस अधिकारियों ने भी विभिन्न छठ घाटों पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया, तथा छठ समिति के आयोजकों से बात की। बिसरख क्षेत्र के अंतर्गत छठ पूजा स्थलों का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा का जायजा लिया गया। उनके द्वारा संयोजको के साथ वार्ता करते हुये सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। आने-जाने वाले श्रद्धालुओं हेतु ट्रैफिक व्यवस्था के पुख्ता बन्दोबस्त किये गये है। सभी श्रद्धालुओं द्वारा छठ पूजा पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उनके द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को ब्रीफ करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये एवं पीआरवी व पीसीआर वाहनों को लगातार भ्रमणशील रहने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा छठ पूजा पर्व के दृष्टिगत आज दिनांक 28 अक्टूबर को थाना

हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया छठ पूजा का पर्व,हजारों की संख्या में श्रद्धालु ने भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। बिहार के प्रसिद्ध पर्व में शुमार छठ पूजा बिहार से होता हुआ पूरे देश और खासकर पूर्वांचल के जनपदों में धूम धाम से मनाया गया।भगवान सूर्य की उपासना का महापर्व छठ पूजा जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। छठ पूजा के चौथे व अंतिम दिन मंगलवार को शहर से लेकर गांव तक भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। मंगलवार सुबह तीन बजे से ही पूजा सामग्री और दउरा सिर पर लेकर लोग छठ पूजा घाटों पर पहुंचे।श्रद्धालु छठ गीतों पर डीजे के धुन पर डांस करते हुए घाटों तक पहुँचे। जिले के प्रमुख घाटों जैसे गोपी घाट, अचला घाट, बीबीपुर घाट, बेलाव घाट आदि पर श्रद्धालुओं का सुबह तीन बजे से ही सैलाब उमड़ पड़ा है।सूर्य उदय से पूर्व घाटों पर लाखो श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी गयी।जहां व्रती महिलाओं ने पानी में खड़े होकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया और अपने परिवार, विशेषकर बेटों और पतियों की लंबी उम्र के लिए मंगलकामना कर व्रत का पारण किया। इस दौरान घाटों की सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए हैं।सुबह से ही महिलाओं ने पूजा की तैयारी शुरू कर दी थी। अर्घ्य देने के लिए फलों को सूप या डलिया में संतरा, अनानास, गन्ना, सुथनी, केला, अमरूद, शरीफा, नारियल, ठेकुआ आदि को सजाकर रखा।इस वर्ष छठ पूजा का आयोजन शनिवार को नहाए-खाए से शुरू हुआ था, जब व्रती महिलाओं ने चावल, चने की दाल और लौकी की सब्जी का सेवन किया। रविवार को ''खरना'' था, जिसमें महिलाओं ने गुड़ और गाय के दूध से बने खीर का सेवन किया। इसके बाद निर्जल व्रत की शुरुआत हुई,सोमवार को व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्ग दिया।वहीं अंतिम दिन मंगलवार को उगते हुए सूर्य भगवान को अर्ग देने के बाद प्रसाद वितरण कर पारण किया।इस व्रत में व्रति माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र के लिए सूर्यदेव और माता षष्ठी की उपासना करती हैं। इसे सूर्यषष्ठी भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन सूर्यदेव समस्त वैभव प्रदान करने के साथ ही माता षष्ठी अपने भक्तों को पुत्रों की आशीर्वाद देती हैं और उनकी रक्षा भी करती हैं। मंगलवार को छठ महापर्व के अंतिम दिन गोमती नदी के घाटों पर सुरक्षा के दृष्टिगत डीएम डॉ दिनेश चंद्र व एसपी डॉ. कौस्तूभ अपने मातहतों के साथ नदी के अंदर स्टीमर से तथा पैदल निरीक्षण कर जायजा लेते रहे,सभी श्रद्धालुओं को लगातार आस्वस्त करते रहे।डीएम व एसपी ने जॉनपुर वासियों को छठपूजा की बधाई दी।डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री के दिशा निर्देश पर छठ पूजा को सकुशल सम्पन्न कराया गया है।उन्होंने एसपी डॉ कौस्तूभ की तारीफ कर कहा कि जैनपुर के गोमती नदी के घाटों पर लाखों की भीड़ को नियंत्रित करते हुए बेहतर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखा।

उदीयमान सूर्य को व्रती महिलाओं ने दिया अर्घ्य

प्रयागराज। विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज के त्रिवेणी संगम के विभिन्न घाटों पर मंगलवार को भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य देकर ब्रती महिलाओं ने अपने परिवार के साथ छठी मइया का पूजन अर्चन किया। सुरक्षा के मद्देनजर महिला पुलिस और जल पुलिस के जवानों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा में तैनात रहे। आस्था के महापर्व छठ पूजा के मौके पर संगम क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर पारम्परिक गीत 'उग हो सूरुज देव भईल अरघ के बेर' की गूंज,घाटों पर हजारों महिलाएं उगते सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित कर पूरी रात घाटों पर छठ माता की आराधना करती रही। मंगलवार सुबह उगते सूर्य देवता को अर्घ्य देकर पूजा अर्चना की। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि आस्था के महापर्व छठ पूजा को सकुशल संपन्न कराने के लिए गंगा एवं यमुना के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए जल पुलिस की टीमें, महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिस बल तैनात रहा। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे से लगातार निगरानी की जाती रहेंगी।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेलः noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

सुलतानपुर में पुलिस-बदमाशों में मुठभेड़ तीन घायल सहित पांच गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के कोतवाली देहात और मोतिगरपुर थाना क्षेत्र में बीती देर रात पुलिस व बदमाशों में मुठभेड़ हो गई। जिसमें पांच बदमाश गिरफ्तार किये गए । इनमें हॉफ एनकाउंटर में तीन बदमाशो के पैर में गोली लगी है। तीनों को इलाज के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया गया । पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि कोतवाली देहात पुलिस पखरौली रेलवे क्रॉसिंग पर संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वे भाग निकले। पीछा करते हुए कुछ दूर आगे जाकर बाइक फिसल गई और तीनों बदमाश गिर पड़े। बाइक पर बैठे एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक संदिग्ध बदमाश मुकेश के पैर में गोली लग गई और वह गिर गया। घायल बदमाश सहित लालू और राज उर्फ छोटू को मौके से पकड़ लिया। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान मुकेश पुत्र रामदौर, लालू पुत्र महेंद्र और राज उर्फ छोटू पुत्र संजय के रूप में हुई है। ये सभी फिरोजपुर शाहपुर, थाना जलालपुर, जनपद अंबेडकर नगर के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, घायल बदमाश मुकेश और गिरफ्तार लालू का लम्बा आपराधिक इतिहास है। उन पर चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई धाराओं में विभिन्न थानों में मामले दर्ज हैं। उधर मोतिगरपुर पुलिस रात में बेलवारी मोड़ पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान लम्भुआ की ओर से एक बाइक पर तीन संदिग्ध व्यक्ति आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वे भागने लगे। पीछा करने पर बाइक से उतरे दो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। घायल बदमाशों की पहचान नीरज लोना उर्फ जेलर और समीर उर्फ समर लोना के रूप में हुई है, जो अंबेडकरनगर के शाहपुर फिरोजपुर, थाना जलालपुर के निवासी हैं। नीरज लोना उर्फ जेलर का लंबा आपराधिक इतिहास है। उस पर अम्बेडकर नगर व अमेठी में कई मामले दर्ज है। समीर उर्फ समर लोना का भी आपराधिक रिकॉर्ड है। उस पर आजमगढ़, सुलतानपुर और अंबेडकरनगर में चोरी, पॉक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

मथुरा राया हेरीटेज सिटी को विकसित करने की तैयारी जोरों पर

■ जल्द लाया जाएगा बोर्ड बैठक में प्रस्ताव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गौतम बुद्ध नगर। मथुरा के राया हेरिटेज सिटी को विकसित करने की तैयारी तेज हो गई है। यमुना विकास प्राधिकरण ने इसे हाइब्रिड मोड पर यानी कुछ हिस्सा कार्यदायी संस्था और कुछ स्वयं विकसित करने की योजना बनाई है। यह प्रस्ताव अगले बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि मथुरा के राया में 753 हेक्टेयर में हेरिटेज सिटी प्रस्तावित है। इसे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड और स्वयं भूखंड योजना निकालकर विकसित करने का एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें प्राधिकरण आवासीय समेत कुछ अन्य हिस्सों के लिए भूखंड योजना निकालकर विकसित करने की तैयारी में है। हालांकि, इस बार अंतिम फैसला बोर्ड बैठक में होगा। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए जीरो प्वाइंट से 101 किलोमीटर पर बनाए जाने वाले ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के किनारे हेरिटेज सिटी विकसित होगी। बांके बिहारी मंदिर तक 6.9 किमी लंबे ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जाना है, जो प्रथम चरण में छह लेन का होगा। इसी के दोनों तरफ हेरिटेज सिटी को बसाया जाएगा। हेरिटेज सिटी में यातायात की समस्या को दूर करने के लिए पार्किंग हब बनेगा। इसमें भगवान कृष्ण की थीम पर आधारित एक आधुनिक टाउनशिप बनाने की भी योजना है। इसमें पर्यटन, संस्कृति और आधुनिक सुविधाएं होंगी। पूरी परियोजना राया अर्बन सेंटर (11,653 हेक्टेयर) का प्रमुख हिस्सा है। अधिकारियों के अनुसार ब्रजभूमि को धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बनाने की योजना है।परियोजना बाढ़ क्षेत्र से बाहर रहेगी। बारिश के दौरान प्रस्तावित भूमि पर यमुना का पानी आ जाने के बाद इसमें कुछ बदलाव का फैसला किया गया है। हालांकि, बदलाव सिर्फ सड़क के अलाइमेंट में ही होगा। बताया गया कि हेरिटेज को जोड़ने वाली जो सड़क अभी तक मुड़कर जा रही थी, उसे बाढ़ क्षेत्र से बचाने के लिए सीधा रखने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, इससे परियोजना के अलाइमेंट पर कोई असर नहीं होगा। निर्माण कार्य क्षेत्रफल थीम बेस्ड हेरिटेज सेंटर 350 एकड़ योगा, वेलनेस सेंटर व नेचुरोपैथी 103 एकड़ ग्रीन पार्क 97 एकड़ टूरिस्ट ट्रेवल फैसिलिटी 46 एकड़ कन्वेंशन सेंटर 42 एकड़ आयुर्वेदा 35 एकड़ स्टार होटल 26 एकड़ बजट होटल 19.60 एकड़ ओल्ड एज होम्स 10 एकड़ सर्विस अपार्टमेंट 6 एकड़ टूरिस्ट फैसिलिटी 8.40 एकड़। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि हेरिटेज सिटी को विकसित करने की तैयारी है। सोमवार को एक बैठक कर इस परियोजना पर चर्चा की गई। इसको लेकर तैयार की योजना को अब बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। इसके बाद इसे धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू होगी।

जयकारों के साथ उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर समापन हुआ छठ महापर्व

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पूर्ण हुआ। 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ शुरू हुए इस पर्व का समापन आज प्रातःकाल ऊषा अर्घ्य के साथ हुआ। इस दौरान व्रती महिलाओं ने 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद भगवान सूर्य को जल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की दीर्घायु की कामना की। भोर होते ही जिलेभर में श्रद्धालुओं की भीड़ गोमती नदी के घाटों और तालाबों की ओर उमड़ पड़ी। शहर के सीताकुंड धाम स्थित घाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा रहा। महिलाएं सूप, डलिया, फल, गन्ना और पूजा सामग्री के साथ घाटों पर पहुंचीं और बेदी बनाकर पूजन की तैयारी में जुट गईं। ढोल-नगाड़ों और छठी मइया के गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्यदेव के दर्शन हुए जय छठी मइया और सूरज देव के जयकारों से पूरा इलाका गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने जल में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। महिलाएं हाथ जोड़कर परिवार की मंगलकामना करती दिखीं। नगर प्रशासन और पुलिस विभाग ने भीड़ को देखते हुए घाटों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए थे। सफाई और प्रकाश व्यवस्था को लेकर नगर पंचायत की ओर से विशेष तैयारी की गई थी ताकि श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। छठ पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए सुल्तानपुर स्वर्णकार समाज संगठन द्वारा सप्ताह भर से तैयारी की जा रही थी। नगर पालिका परिषद व पुलिस प्रशासन की ओर से सीताकुंड घाट को व्यवस्थित बनाने के लिए सप्ताह भर से कार्य संपादन किया गया। घाट के आसपास हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा वेदी निर्माण किया गया था जहां शहर के विभिन्न इलाकों से व्रतधारी महिलाएं सोलह श्रृंगार कर पूजन सामग्री, फल, प्रसाद लेकर परिजनों के साथ पहुंची। यहां धूप दीप व अन्य सामग्रियों के साथ छठ मैया की परंपरागत पूजा अर्चना की गई। व्यवस्थाओं के निरीक्षण करने पंहुचे अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौरव शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी सदर बिपिन द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी नगर सौरभ सामंत नगर कोतवाल धीरज कुमार, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल, स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष राजकुमार सोनी, सराफा व्यापार मंडल के अध्यक्ष देवी प्रसाद सोनी, राजदेव शुक्ल आदि ने छठ माता के वेदी दर्शन कर आशीर्वाद लिया। गोमती मित्र मंडल के प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन द्वारा छठ पूजा में आने वाले श्रद्धालुओं, वृतधारियो के लिए विशेष इंतजाम किए गए दिनकर प्रताप सिंह सोनू सिंह समेत गोमती मित्र मंडल के दर्जनों वॉलिंटियर व्रतधारी महिलाओं की व्यवस्था में जुटे रहे। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश व अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह की अगुवाई में सीताकुंड घाट, वह गोमती नदी में विशेष इंतजाम किए गए। किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए गोमती नदी में एसडीआरएफ की टीम तैनात रही। सीताकुंड घाट व आने-जाने वाले रास्तों पर पुलिस के खासे इंतजाम किए गए।

सब के बलकवा के दिहा छठी मईया ममता-दुलार...

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। बीते तीन दिन से लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा में डूबी पीतलनगरी मुरादाबाद में मंगलवार को महापर्व के चौथे व अंतिम दिन महिलाओं के द्वारा श्रद्धा और आस्था के साथ उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया और 36 घंटे निर्जल व्रत पूर्ण हुआ। शहर में रह रही पूर्वांचल और बिहार की 20 हजार से अधिक उपवासधारी महिलाओं ने रामगंगा नदी के घाटों पर, गागन नदी, अमृत सरोवर पर इसके अलावा पार्कों, घरों की छतों, मंदिर परिसरों में बनाए गए अस्थाई तालाबों में छठ पूजा की। इस दौरान प्रसिद्ध लोकगीत पहिले पहिल हम कईनी, छठी मईया व्रत तोहार, करिहा क्षमा छठी मईया, भूल-चूक गलती हमार, सब के बलकवा के दिहा, छठी मईया ममता-दुलार, पिया के सनईहा बनईहा, मईया दिहा सुख-सार... गूंजता रहा। मंगलवार तड़के से ही छठ पूजा आयोजन स्थल व घाटों पर श्रद्धालु परिवार के साथ टोकरे में ठेकुआ, फल, गन्ने, पूजा सामग्री आदि लेकर पहुंचीं। सूर्योदय के समय से कुछ पहले ही व्रतधारियों ने जल में खड़े होकर छठ मैया की आराधना शुरू कर दी। उगते सूर्य देव की पहली किरण के साथ ही छठ मैया का जयघोष होने लगा व अर्घ्य देना प्रारंभ हो गया। भक्तजन काफी देर तक घाटों पर भजन कीर्तन करते रहे। इस दौरान महानगर में छठ पूजा का आयोजन सीएल गुप्ता आई हॉस्पिटल के पास रामगंगा नदी घाट, सम्राट अशोक नगर अमृत सरोवर, लाइनपार आदर्श नगर, कपूर कंपनी प्राचीन शिव मंदिर, डीपी यादव चौराहा छठ मइया पार्क, रेलवे हरथला कॉलोनी आरपीएफ मैदान आदि स्थानों पर दोपहर 2 बजे से पूर्वांचल वासी पहुंचने शुरू हो गए। श्रद्धालुओं ने टोकरी छाज और छबड़ों में (इन्हें दउरा भी कहते हैं, यहां बांस के बने होते हैं) ठेकुआ, चावल, फल, गोला, नारियाल, अननास, सेब, गन्ना, नीबू, कंदमूल फल, हल्दी, केले पकवान सहित काफी सामान लेकर घाट पर पहुंचे। व्रती महिलाओं ने परिवार की अन्य सदस्यों के साथ घाट पर माता की आराधना शुरू कर दी। सूर्यास्त का समय जैसे-जैसे नजदीक आता गया श्रद्धालु भक्तिमय माहौल में डूबते गए। सूर्यास्त नजदीक आने तक श्रद्धालुओं की निगाहें भगवान सूर्य की ओर टिक गईं। व्रतियों ने नदी में खड़े होकर छठ मां और सूर्यदेव की आराधना की। सूर्यास्त आरंभ होते ही श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सराबोर होकर अर्घ्य देना आरंभ कर दिया। इसके अलावा जिलें में 10 से अधिक स्थानों पर छठ पूजा के सामूहिक कार्यक्रम सम्पंन हो रहे थे। लोकोशेड स्थित नगर घाट, अमृत सरोवर, रामंगगा नदी घाट रामगंगा विहार, रामगंगा नदी लालबाग, गांगन नदी, चटटा पुल पर छठ पूजा के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। जहां पर सोमवार शाम को डूबते हुए सूर्य देवता को अर्घ्य दिया गया। इसके आलावा घरों की छतों पर, पार्कों में अस्थाई तलाब बनाकर आज उगते हुए सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया गया।